डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 164 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 27 मार्च 2024 | मूल्य 2 रुपया

श्री सिद्धि विनायक
हार्ट केयर
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) | DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

धुलेंडी पर रंग रंगीला हुआ दशपुर जनपद

जमकर उड़ा रंग गुलाल, रंगारंग गेर निकली

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में धुलेंडी का पर्व धूम धाम से मनाया गया। इस पर्व पर बच्चों से लेकर युवाओं, बुजुर्गों मे खासा उत्साह रहा। मंदसौर शहर सहित ग्रामीण अंचल में होली को लेकर उत्साह दिखा। शहर में महावीर फतेह करे सेवा संस्था द्वारा रंगारंग गेर का आयोजन किया गया।

धुलेंडी के अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ग्रुप द्वारा जनकूपुरा स्थित गणपति चौक से रंगारंग गेर मंदसौर नगर में निकाली गई। जिसमें वृंदावन का महारास, दिल्ली की चलित झांकिया, मंदसौर के ढोल, तोप द्वारा फूल व गुलाल की बारिश विशेष आकर्षण का केन्द्र रहे। साथ ही फायर फाइटर से रंगों व फूलों की बरसात की गई। रंगारंग गेर में 31 क्विंटल हर्बल गुलाल व 11 क्विंटल फूलों से होली खेली गई। गेर का गुलाल, पुष्पवर्षा व स्वल्पाहार से अनेक स्थानो पर स्वागत किया गया।

भक्तों के साथ भगवान ने खेली होली...

देश भर में होली का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। इसी क्रम में दशपुर के अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथ मंदिर में भी भक्तों ने भगवान के संग जमकर होली खेली। सुबह भगवान की विशेष आरती की गई। इसके बाद महादेव का नयनाभिराम श्रृंगार किया गया। भक्तों ने होली के पर्व पर सबसे पहले भगवान पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचकर बाबा आशुतोष के दर्शन किए और अबीर गुलाल लगाकर भगवान से सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। इसके बाद सेकड़ों भक्तों ने गर्भ गृह के बाहर मंदिर परिसर में जमकर होली खेली। मंदिर पुजारी राकेश भट्ट ने बताया कि धुलेंडी के पावन पर्व पर भगवान पशुपतिनाथ को अबीर गुलाल से होली खिलाई। भगवान को रंग लगाने के बाद सभी भक्तों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी और भगवान से सुख समृद्धि का कामना की।

नाहटा-नटराजन के हाथ में जिम्मेदारी

विस चुनाव में हार का कम अंतर कांग्रेस को दे सकता है ऑक्सीजन

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में संसदीय क्षेत्र का प्रभारी पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन और पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा को बनाया है। इधर पिछले लोकसभा चुनाव की बात करें तो हार का अंतर लगभग पौने चार लाख था। इसके बाद विधानसभा चुनाव में संसदीय क्षेत्र से आठ में से महज एक सीट काफी कम मतों के अंतर से कांग्रेस के खाते में गई। बाकी सात पर भाजपा ने कब्जा कर लिया। ऐसे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आत्मविश्वास में लाने का काम मीनाक्षी नटराजन के साथ नरेंद्र नाहटा को दिया गया है। कांग्रेस के पक्ष में एक बात जरुर हो सकती है कि विस चुनाव में सिर्फ एक सीट ही भले कांग्रेस को मिली। लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार टोटल सभी सीटों को मिलाकर हार का अंतर कम रहा। लोकसभा चुनाव में लगभग पौने चार लाख मतो से हारने वाली कांग्रेस विधानसभा चुनाव में लगभग पौने दो लाख मतों से चुनाव हारी। कहीं न कहीं इस चीज को लेकर कांग्रेस थोड़ा ऑल इज वेल महसूस कर सकती है।

2023 में खासकर संसदीय क्षेत्र की 8 सीटों को लेकर कांग्रेस ने जो उम्मीदें संजोई थीं, उन पर पानी फिर गया। लेकिन नतीजे कुछ राहत भी दे गए। लोकसभा 2019 में भाजपा के सुधीर गुप्ता ने कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन को 3 लाख 76 हजार 734 मतों से हराया था। गुप्ता को 8 लाख 47 हजार 786 वोट मिले थे। जबकि, कांग्रेस उम्मीदवार सुश्री नटराजन को 4 लाख 71 हजार 52 वोट मिले। विस चुनाव में संसदीय क्षेत्र की इन 8 सीटों पर भाजपा को मिले जीत के मतों का मार्जिन लोकसभा की तुलना में घटकर 1 लाख 76 हजार 349 पर आ गया। बीजेपी को सीधे-सीधे 50 फीसदी से ज्यादा मतों का नुकसान हुआ है। इस अंतर में सबसे ज्यादा योगदान मल्हारगढ़ विस से 59 हजार 24 मतों का रहा तो मंदसौर विस में भाजपा की हार के नतीजों ने निराश भी किया। वहीं कांग्रेस के लिहाज से नतीजे अप्रैल-मई में होने जा रहे लोकसभा के मद्देनजर कुछ ऑक्सीजन जरूर दे गए।

भाजपा ने कर दी शुरुआत, कांग्रेस करेगी कल से...

इधर अब प्रचार-प्रसार और चुनावी कार्यक्रम की बात करें तो भाजपा ने न सिर्फ रणनीति तैयार कर ली है। बल्कि, भाजपा उम्मीद्वार सांसद सुधीर गुप्ता संसदीय क्षेत्र में रोजाना कार्यकर्ताओं की बैठक ले रहे हैं तो लोगों के बीच जाकर मिल रहे हैं। बड़े नेताओं ने भी मंदसौर आकर कई बार बैठक लेकर स्थानीय नेताओं से चर्चा भी की। इधर बात करें कांग्रेस की तो फिलहाल कल 28 मार्च को कांग्रेस उम्मीद्वार दलीपसिंह गुर्जर मंदसौर पहुंचेगे। गुर्जर प्रात: 11 बजे भूतभावन भगवान श्री पशुपतिनाथजी के दर्शन एवं पूजन उपरांत चुनावी अभियान का श्रीगणेश करेगे। इसके पश्चात दिलीपसिंह गुर्जर वाहन रैली के रूप में श्री पशुपतिनाथजी से शिवना पुलिया होते हुये प्रतापगढ पुलिया, मंडी गेट, सदर बाजार, कालिदास मार्ग, नेहरू बस स्टेण्ड, कालाखेत होते हुये गांधी चैराहा पहुंचेगे। गांधी चैराहे पर श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर दर्शन पश्चात गांधी चौराहा पर जिला कांग्रेस कार्यालय के समक्ष कार्यकर्ता सम्मेलन में भागीदारी करेगें।

2023 में मंदसौर लोकसभा की 8 विधानसभा सीटों पर ये अंतर रहा...

विस का नाम	जीत का अंतर
मंदसौर	2049 (कांग्रेस)
मल्हारगढ	59024 (भाजपा)
सुवासरा	22669 (भाजपा)
गरोठ	18107 (भाजपा)
नीमच	26650 (भाजपा)
जावद	2364 (भाजपा)
मनासा	19465 (भाजपा)
जावरा	26021 (भाजपा)

*** कुल योग ***
1 लाख 76 हजार 349
(भाजपा बढ़त में रही, लेकिन लोकसभा से अंतर आधे से भी कम रह गया)

लहसून व्यापारी द्वारा किसानों के साथ धोखाधड़ी का मामला उजागर...

किसानों को नहीं किया 30 लाख से ज्यादा का भुगतान

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अध्यक्ष के बिना चल रही कृषि उपज मंडी की अव्यवस्थाएं कई बार सामने आई। किसानों को अपनी समस्याओं को हल करवाने के लिए राजमार्ग पर उतरना पड़ा। मंडी गेट के बाहर धरना देना पड़ा। अब मामला आया है धरती पूत्रों का रुपया हजम करने का। कृषि उपज मंडी के लहसुन व्यापारी द्वारा 14 से अधिक किसानों से 30 लाख से अधिक रुपए की धोखाधडी करने का मामला उजागर हुआ है।

सूत्रों के मुताबिक किसानों की संख्या 32 है। इसकी राशि 65 लाख रुपए से अधिक है। लेकिन अधिकारियों का कहना है कि उन्हें अब तक 14 किसानों ने शिकायत दर्ज करवाई है, कुछ और किसान भी सामने आए हैं जिनको वेरिफाई किया जा रहा है। इधर पूर्व मंडी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने अधिकारियों से बातचीत की। इसके बाद किसानों से भी बातचीत की। मंडी प्रशासन ने रुपया लौटाने का आश्वासन दिया है।

आरटीजीएस से भुगतान का हवाला देकर हुआ फरार...

लहसुन का कारोबार करने वाले खुशाली ट्रडर्स के संचालक अंबालाल पंवार ने मंडी में किसानों के माल की खरीदी की और नियम के मुताबिक आरटीजीएस के जरिए किसानों के खातों में भुगतान करने का हवाला देकर फरार हो गया। कई दिनों बाद भी जब किसानों के बैंक अकाउंट में रकम जमा नहीं हुई तो किसानों ने मंडी प्रशासन को इसकी शिकायत की। मंगलवार को कृषि मंडी कार्यालय में राज्यसभा सांसद, एसडीएम शिवलाल शाक्य, मंडी सचिव पर्वत सिंह सिसोदिया और पीडित किसानों के बीच हुई बातचीत में किसानों को भरोसा दिलाया गया कि उन्हें उनका भुगतान 1 अप्रैल तक कर दिया जाएगा।

शुरुआत में एक ने की शिकायत, अन्य किसान भी पहुंचे...

किसान राहुल पाटीदार ने बताया कि उन्होंने पिछले 13 मार्च वाली तारीख को खुशाली ट्रेडिंग कंपनी को अपना माल बेचा था। जिसकी राशि 2 लाख 22 हजार 530 थी जो आज तक जमा नहीं हुई। इसी तरह से किसान कृष्णकांत शर्मा ने बताया कि उन्होंने भी पिछले 7 मार्च को अपनी लहसुन उपज की दो ट्रालियां बेची थी। जिनका भुगतान 2 लाख 10 हजार 500 और 2 लाख 3 हजार 420 था। लेकिन, यह रकम भी उनके खातों में जमा नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत मंडी प्रशासन से की। इस खुलासे .... शेष पेज 4 पर

इनका कहना...

किसानों को इसकी शिकायत पांच दिनों के भीतर करना थी। फिर भी हम किसानों की रकम दिलवाने के प्रयास कर रहे हैं। हमने मंडी व्यापारी का गोडाउन सील किया है। उसका फोन भी बंद आ रहा है। इसमें जो भी नियमानुसार कार्रवाई होगी हम कर रह रहे हैं।

शिवलाल शाक्य
एसडीएम, मंदसौर

मंडी व्यापारी के गोडाउन में पड़ी लहसून को नीलाम कर रहे हैं इससे जो पैसे मिलेंगे उससे किसानों का भुगतान किया जाएगा। इसके बाद जो किसान बचेंगे उन्हें मंडी नियमों के मुताबिक भुगतान करेंगे। हमने किसानों को कहा है कि उन्हें 1 अप्रैल से पहले भुगतान कर दिया जाएगा।

पर्वत सिंह सिसोदिया
सचिव, कृषि उपज मंडी

यह है मामला...

मंदसौर कृषि उपज मंडी में कारोबार करने वाली खुशाली ट्रेडिंग कंपनी के मालिक अंबालाल पवार ने पिछले 15 दिनों में कई किसानों का माल खरीदा। जिन्हें 60 लाख से ज्यादा का भुगतान करना था। मंडी एक्ट के मुताबिक किसान की उपज की बिक्री की रकम 2 लाख से ज्यादा होने पर, व्यापारी द्वारा किसानों के बैंक अकाउंट में भुगतान किया जाना होता है। व्यापारिक फर्म ने पिछले कई दिनों के दौरान ऐसे कई किसानों का माल खरीदा, जिन्हें दो लाख से ज्यादा की रकम का आरटीजीएस के जरिए उनके बैंक खातों में भुगतान करना था। नियम का हवाला देकर व्यापारी ने किसानों को आश्वासन दिया। इसलिए किसान भी पैसे जमा होने का इंतजार करते रहे। मंडी एक्ट के मुताबिक भी कई किसान अपना माल बेचकर खाली बिल लेकर अपने घर चले गए। लेकिन, दो हफ्ते बीत जाने के बाद भी व्यापारी ने किसानों के खातों में रकम जमा नहीं हुई तो किसानों ने मंडी प्रशासन के कार्यालय पहुंचकर अधिकारी को मामले की शिकायत की।

कार की टक्कर से बाईक सवार दंपती घायल

नीमच, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। निम्बाहेड़ा मार्ग पर एक कार ने बाइक सवार दंपती को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दंपती घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए नीमच के बड़े अस्पताल लाया गया।

दरअसल बाइक सवार दिनेश पिता मनोहर लाल उम्र 40 वर्ष जाति नायक निवासी कनावटी नीमच अपनी पत्नी के साथ राजस्थान के चित्तौडगढ़ जिले के बरियाखेड़ी गांव जा रहे थे। तभी नया गांव के समीप पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। जिसमें महिला को तो मामूली चोट आई मगर बाईक चालक पति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कार चालक मौके से भागने में कामयाब रहा। बताया जा रहा है कि कार में 4 लोग सवार थे। लोगों ने कार सवार एक युवती को पकड़ लिया। बड़े अस्पताल में घायल के परिजन और युवती के बीच काफी देर तक बहस बाजी भी होती रही। हालांकि इस मामले में कोई शिकायत अभी तक दर्ज नहीं हुई है। वहीं घायल का उपचार जारी है।

जमरा बीज पर पुलिस वालों की होली

कप्तान के बंगले पर उड़ा रंग-गुलाल, अधिकारी-कर्मचारियों ने खेली होली

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अंचल में होली, धुलेंडी का पर्व शांति और सद्भावपूर्वक मनाया गया। जिले में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस ने अच्छी मेहनत की। आमजन की होली शांति के साथ मनाने के बाद दूसरे दिन जमरा बीज अर्थात मंगलवार को पुलिस विभाग ने अपनी होली मनाई। सुबह पुलिस कप्तान के निवास पर होली का आयोजन किया गया। इस आयोजन में अधिकारी और सभी थानों के पुलिसकर्मी होली मनाने पहुंचे। पुलिस की होली में खूब रंग और गुलाल उड़ा

फिल्मी गीतों पर पुलिसकर्मियो ने जमकर डांस भी किया।

उल्लेखनीय है कि धुलेंडी के दूसरे दिन पुलिसकर्मी होली मनाते हैं। होली और धुलेंडी के दौरान पुलिसकर्मी कानून व्यवस्था बनाने में ड्यूटी में तैनात रहते हैं। इसलिए पुलिसकर्मी होली नहीं खेल पाते, पुलिस की होली आमजन की धुलेंडी के अगले दिन मनाई जाती है। मंगलवार सुबह पुलिस कप्तान के बंगले पर होली का आयोजन किया गया। इसमें सभी थानों के पुलिसकर्मियों ने जमकर होली खेली और डांस भी किया। बंगले पर रंग गुलाल में सरोबार पुलिसकर्मियों ने खूब मौज मस्ती की। इसके बाद थानों पर होली का आयोजन किया गया। पुलिसकर्मियों की होली में कलेक्टर दिलीप यादव भी शामिल हुए। पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया और कलेक्टर दिलीप यादव ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर बधाई दी। श्री सुजानिया ने सभी पुलिसकर्मियों को त्योहार पर मुस्तैदी से कार्य करने और कानून व्यवस्था बनाने में पूरी मेहनत, ईमानदारी ने ड्यूटी निभाने पर धन्यवाद देकर उनका मनोबल बढ़ाया।

धूप में तेजी, तेवर दिखाने लगी गरमी

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। होलिका दहन के साथ ही धूप में निरंतर तेजी आती जा रही है। जिससे गरमी अपने तेवर दिखाने लगी है। जिले में इन दिनों सामान्य से अधिक तापमान है। मंगलवार को तापमान 37 डिग्री के पास रहा आज। आज बुधवार को भी सूरज के तीखे तेवर देखने को मिलेंगे। न्यूनतम तापमान 19 डिग्री तक बना रहा।

मौसम जानकारों के अनुसार इस सप्ताह में तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। अप्रैल से तेज गर्मी की शुरुआत हो जाएगी। मौसम जानकारों के अनुसार मध्यप्रदेश में मार्च के आखिरी सप्ताह में तेज गर्मी का ट्रेंड है। अबकी बार भी मौसम ऐसा ही रहेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, अभी कोई सिस्टम नहीं है। इस वजह से गर्मी का असर बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में कई शहरों में दिन का टेम्प्रेचर 40 डिग्री के पार पहुंच जाएगा।

छत से गिरा, घायल

मनासा, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कुकड़ेश्वर थाना क्षेत्र के गांव लसूडिया आंतरी में सोमवार रात्रि में एक हादसा हो गया। यहां एक 50 वर्षीय व्यक्ति अपने ही घर की छत से असंतुलित होकर नीचे गिर गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

तत्काल परिजनों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस से उसे मनासा के सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे नीमच रेफर कर दिया। दरअसल सोमवार रात्रि में गांव लसूड़िया आंतरी के रहने वाले 50 वर्षीय रमेश पिता भेरुलाल खटीक अपने घर की छत पर कुछ काम कर रहे थे। इसी दौरान असंतुलित होकर नीचे गिर गए। जिससे उन्हें गंभीर चोट आयी। बताया जा रहा है कि उनके जांघ की हड्डी फ्रैक्चर हो गई है। दुर्घटना के बाद परिजन उन्हें पहले मनासा अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से उन्हें नीमच के बड़े अस्पताल रेफर किया गया है। जहां घायल का उपचार जारी है।

भाजपा में दूसरे दलों के आयातितों की भीड़ में कही स्लीपर सेल तो नही समा गए..!

मंदसौर/उज्जैन, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। केंद्र में सरकार भले ही एनडीए की हो पर है भाजपा की ओर फिर से सरकार बनाने के लिए भाजपा के शीर्ष नेता विपक्षी दलों को नेस्तनाबूद करते जा रहे है। चुनाव के पहले ऐसा कर पाना भाजपा के लिए संभव नहीं हो पा रहा था तो आनन फानन में अपने ही दल में एक नई शाखा बना प्रदेश, जिलों में अपने नेताओं को यह जिम्मेदारी सौंप दी की येन केन प्रकारेन विपक्षी दलों के नेताओं को किसी भी हाल में डरा धमका कर या लालच देकर भाजपा में लाया जाए? जिन लोगों को जिम्मेदार बनाया है वह लगातार इस काम को अंजाम दे भी रहे हैं। भाजपा में स्पर्धा हो रही है कि कौन कितने कांग्रेसी नेताओं को भाजपा का दुपट्टा पहना चुका है। इन आयातितो की भीड़ का चरित्र और कार्यप्रणाली पूर्व का राजनीतिक रिकॉर्ड देखकर वरिष्ठ भाजपाइयों ने चिंता पालना शुरू कर दिया है। वरिष्ठ चिंतापल रहे हैं है तो कनिष्ठें को भी अपने भविष्य की चिंता सताने लगी है कि कहीं वर्तमान नेतृत्व जो भाजपा संगठन और भाजपाइयों को मजबूत करने की बजाय स्वयं कैसे सत्ता प्रमुख बने रहें, एकमात्र उद्देश्य के लिए पूरी बीजेपी को इस्तेमाल कर रहे हैं।

पूर्व के आयतितों के कारण भाजपा में ऐसा ही दृश्य बना भी हुआ है। बानगी देखिए ज्योतिरादित्य सिंधिया अपनी दो दर्जन सदस्यों की टीम के साथ आए थे। सरकार भाजपा की जरूर बनी पर इन सभी को विधायक बनाने के लिए अपनों को ही हाशिए पर धकेला गया और राज्यसभा में जाने वाले किसी एक भाजपाई का हक सिंधिया ने छीना। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे, अजीत पवार और नारायण राणे को भी भाजपा में लाने और इनाम में पद देने के लिए सालों से संगठन के लिए काम कर रहे, काम करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को ही वापस दरी बिछाने के लिए पीछे लाइन में धकेला गया होगा। इसमें सबसे प्रामाणिक उदाहरण भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष रहे देवेंद्र फडणवीस आज आयतितों के नेतृत्व में भाजपा के लिए काम करने को मजबूर है। हाल ही में पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भी भाजपा में आए और किसी न किसी तीन-चार दशक के सेवाभावी भाजपाई कार्यकर्ता का हक छीनकर अपना इनाम लेकर राज्यसभा में सांसद बन चुके हैं।

चन्द्रमोहन भगत

ऐसा लगभग सभी राज्यों के अनेकों भाजपाइयों के साथ हो चुका है या सत्ता प्रमुख बने रहने के लिए किया जा चुका है और आगामी समय में भी किया जाता रहेगा। मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ जब भीड़ ने भाजपा में प्रवेश किया था तब वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक कवि सत्य नारायण सत्तन ने विरोध किया था। अब हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार भी चिंता प्रकट चुके हैं कि आयातितों के कारण हमारे अपने कुंठाग्रस्त होने लगे हैं। अभी तक लगभग केंद्र सहित प्रत्येक राज्यों में भाजपा संगठन में उहापोह का वातावरण बन गया है। अनुशासित समर्पित कार्यकर्ता शीर्ष नेतृत्व के लालच के आगे कुछ बोल नहीं पा रहा है। इसके अलावा देश की राजनीतिक गतिविधियों पर नजर रखने वाले और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की आयतितो के मामले में एक समान राय सतह पर आ रही है कि भाजपा की कार्य शैली, विचारधारा और अनुशासन दूसरे दल के कार्यकर्ताओं में समाहित हो ही नहीं पाएगा या वह खुद भी भाजपा के मापदंडों की फ्रेम में ज्यादा समय रह नहीं पाएंगे। ऐसे में क्या इन आयातितो को स्लीपर सेल मान लिया जाए, जो दूसरे संगठनों में समा जाने का नाटक करते हैं पर असल में संगठन में रहकर भीतर से संगठन को कमजोर करने का काम इस स्तर तक करते हैं कि मौका आने पर ऐसी स्थिति निर्मित करा देते हैं जिससे पूरा संगठन ही धाराशायी हो जाता है। वरिष्ठ भाजपाइयों की स्लीपर सेल कहलाने वाली चिंता इसलिए भी जायज मानने योग्य है की आयतितों की भीड़ बढ़ती ही जा रही है। ऐसे में संगठन तोड़ने की विस्फोटक सामग्री किसके पास है या कौन ऐसा करने वाला है! पहचाना भी मुश्किल होता जा रहा है।

विचार-मंथन

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से भ्रम की स्थिति...

आखिरकार प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया। कथित शराब घोटाला मामले में नौ बार समन भेजने के बाद भी वे पूछताछ के लिए नहीं गए। वे प्रवर्तन निदेशालय के समन को अवैध और राजनीति से प्रेरित बताते रहे। फिर उन्होंने कहा कि अगर ईडी अदालत का आदेश ले आए, तो वे पूछताछ के लिए हाजिर हो जाएंगे। जब उन्हें लगने लगा कि जांच एजेंसियां उन्हें गिरफ्तार कर सकती हैं, तो उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में गुहार लगाई कि आम चुनाव तक उनके खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। इस पर अदालत ने कोई फैसला नहीं दिया। इस मौके का फायदा उठाते हुए प्रवर्तन निदेशालय ने उनके आवास पर छापा मारा और कुछ देर बातचीत करने के बाद उन्हें अपने दफ्तर ले गई, फिर गिरफ्तार कर लिया। हालांकि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की आशंका उसी समय से जताई जा रही थी, जब उन्हें चौथा समन भेजा गया था। खुद आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी सार्वजनिक मंचों से कहते फिर रहे थे कि केंद्र सरकार अरविंद केजरीवाल को कभी भी गिरफ्तार करवा सकती है। इसी हफ्ते सीबीआइ ने जब कहा कि शराब घोटाला मामले में अभी कुछ और बड़े लोग गिरफ्तार होंगे, तब पक्का हो गया कि केजरीवाल जल्दी ही सलाखों के पीछे होंगे। कथित शराब घोटाले को लेकर पिछले एक-डेढ़ वर्ष से खूब सियासत भी हुई है। आम आदमी पार्टी की सरकार पर आरोप है कि उसने गलत तरीके से नई आबकारी नीति बनाई और भारी रिश्वत लेकर लोगों को शराब के ठेके बांट दिए। इस आरोप में आम आदमी के कई नेता और दिल्ली सरकार के अधिकारी गिरफ्तार हो चुके हैं। भारत राष्ट्र समिति की नेता और केसीआर की बेटी के कविता को भी इस घोटाले में संलिप्तता के आरोप में पिछले हफ्ते गिरफ्तार कर लिया गया। प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि इस पूरे घोटाले के मुख्य षड्यंत्रकारी केजरीवाल हैं। इस तरह उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस मामले के कानूनी पहलू तो अदालत में सुलझेंगे, पर केजरीवाल पर सबसे बड़ा सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि आखिर वे इतने समय तक क्यों जांच एजेंसियों के सवालों से बचने का प्रयास करते रहे। जैसा कि वे दावा करते न थकते थे कि आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार पार्टी है और उसके पास कुछ भी छिपाने को नहीं है, तो फिर उन्हें कथित शराब घोटाले में सफाई से क्यों बचते फिरना चाहिए था। क्या वे इस बात से अनजान थे कि प्रवर्तन निदेशालय के समन की अवहेलना से उनके खिलाफ मुकदमा बन सकता है। फिर यह सवाल भी लोगों के जेहन में बना हुआ है कि जब केजरीवाल सचमुच दोषी हैं, उन्होंने ही शराब घोटाले की साजिश रची थी तो प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी गिरफ्तारी में इतना समय क्यों लगाया। तीन समन देने के बाद ही उसे उन्हें गिरफ्तार करने का अधिकार था। इसी समय को उसने क्यों चुना, जब लोकसभा चुनाव की तारीखें घोषित हो चुकी हैं। इससे आम आदमी पार्टी का यह तर्क पुख्ता होता जान पड़ता है कि जांच एजेंसियों ने केंद्र के इशारे पर केजरीवाल को चुनाव प्रचार से दूर रखने के मकसद से ऐसा किया। मगर इन राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों और ईडी की कार्रवाई के बाद भी लोगों के मन में यह भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि क्या वास्तव में शराब घोटाला हुआ है और दिल्ली सरकार की उसमें भूमिका है भी या नहीं।

लोकसभा चुनाव में बढ़ी पश्चिम बंगाल की अहमियत

डॉयचे वेले

लोकसभा सीटों की तादाद के लिहाज से देश के तीसरे सबसे बड़े राज्य पश्चिम बंगाल की चुनावी अहमियत तो हमेशा रही है. लेकिन बदले हुए राजनीतिक हालात में इस बार यह कई गुनी बढ़ गई है.आने वाले लोकसभा चुनावों में ×म39;चार सौ पार×म39; के नारे के साथ मैदान में उतरी बीजेपी ने पश्चिम बंगाल की 42 में से 35 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है. दूसरी ओर, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने भी ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने के प्रयास में अबकी 26 नए चेहरों को मैदान में उतारा है. उधर, कांग्रेस और लेफ्ट फ्रंट के बीच सीटों पर तालमेल अब भी अधर में है. उत्तर प्रदेश और बिहार की तरह राज्य में भी सात चरणों में मतदान होगा. बीते लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को 22 और बीजेपी को 18 सीटें मिली थी. दो सीटें कांग्रेस के खाते में गई थी. बदलते सियासी समीकरण केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल के कोलकाता दौरे के दौरान पार्टी के लिए 35 सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मार्च के पहले नौ दिनों के दौरान राज्य में चार जनसभाओं को संबोधित कर चुके हैं. इससे पार्टी के लिए बंगाल की अहमियत का पता चलता है. अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करने में भी बीजेपी ने बाजी मारी थी. उसने चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले राज्य की 20 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी थी. हालांकि अगले

दिन ही आसनसोल सीट के उम्मीदवार और भोजपुरी गायक पवन सिंह ने चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा कर दी. इससे पार्टी को कुछ झटका लगा था. उसके बाद 10 मार्च को मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में अपने तमाम 42 उम्मीदवारों की सूची न सिर्फ एक साथ जारी कर दी बल्कि अपने साथ इन उम्मीदवारों को मंच पर भी पेश किया. उनकी इस सूची में कई चौंकाने वाले नाम थे. बीजेपी की चुनौती को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने पिछली बार जीतने वाले आठ सांसदों को टिकट नहीं दिया है. इसके अलावा बहरमपुर में कांग्रेस का गढ़ समझी जाने वाली सीट पर पांच बार के विजेता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी के खिलाफ हरफनमौला क्रिकेटर यूसुफ पठान को मैदान में उतार कर सबको चौंका दिया. 42 लोगों की सूची में 26 चेहरे नए हैं. उम्मीदवारों के एकतरफा एलान से ममता ने यह भी साफ कर दिया कि यहां इंडिया गठबंधन नहीं बल्कि तृणमूल कांग्रेस ही बीजेपी से सीधी टक्कर लेगी. वो बीती जनवरी से ही यह बात कहती रही थी. तृणमूल कांग्रेस के एक नेता नाम नहीं छापने की शर्त पर बताते हैं कि लंबे इंतजार के बावजूद कांग्रेस की ओर से सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बनने के कारण ही ममता ने एकला चलो की नीति अपनाने का फैसला किया. तृणमूल ने क्यों नहीं मिलाया बीजेपी से तालमेल प्रदेश कांग्रेस और लेफ्ट फ्रंट के नेता भी तृणमूल पर बीजेपी के साथ साठ-गांठ का आरोप लगाते हुए तालमेल के इच्छुक नहीं थे. इधर, अब लेफ्ट और कांग्रेस के बीच सीटों के तालमेल पर बातचीत जरूर चल रही है. लेकिन पहले दौर के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी हने के बावजूद अब तक तालमेल का एलान नहीं हो सका है. हालांकि वाममोर्चा ने भी 16 उम्मीदवारों की पहली सूची और कांग्रेस ने आठ उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है. दरअसल, वाममोर्चा के घटक दलों के बीच सीटों पर सहमति नहीं बन सकी है. घटक दल अपनी पारंपरिक सीटें छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं. उन्होंने सीपीएम को चेतावनी दी है कि वह इस बात का फैसला कर ले कि उसे कांग्रेस के साथ रहना है घटक दलों के. इस उलझी हुई परिस्थिति के कारण तालमेल की बातचीत मुकम्म नहीं हो सकी है. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अबकी लोकसभा चुनाव में बीजेपी और तृणमूल के बीच कांटे की टक्कर में गंगा के मैदानी इलाकों के साथ ही जंगलमहल इलाका, उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल का मतुआ बहुल इलाका अहम भूमिका निभाएगा. मतुआ वोटों को साधने के लिए ही बीजेपी ने चुनाव से ठीक पहले नागरिकता (संशोधन) कानून लागू करने का फैसला किया है. दक्षिण बंगाल के पांच जिलों में फैले गंगा के मैदानी इलाकों में लोकसभा की 16 सीटें हैं. बीजेपी ने पिछली बार इनमें से महज तीन सीटें जीती थी. इन इलाकों में प्रतिष्ठान विरोधी लहर और पुराने नेताओं की छवि को ध्यान में रखते हुए तृणमूल कांग्रेस ने छह नए चेहरों को मैदान में उतारा है. पार्टी इस इलाके में काफी मजबूत है और विधानसभा चुनाव में उसका प्रदर्शन काफी बेहतर रहा था. क्या कहते हैं राजनीतिक विश्लेषक विश्लेषकों का कहना है कि उत्तर 24-परगना जिले में विभिन्न होटलों में पार्टी के मजबूत नेताओं की गिरफ्तारी ने तृणमूल की चिंता बढ़ा दी है. वहां संगठन संभालने वाले मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक राशन घोटाले में जेल में हैं तो कोलकाता और हुगली जिले में चुनावी जिम्मा संभालने वाले पार्थ चटर्जी भी शिक्षक भर्ती घोटाले में हवालात में हैं. संदेशखाली की घटना और उस मामले में शाहजहां शेख समेत पार्टी के कई नेताओं की गिरफ्तारी भी पार्टी के लिए सिरदर्द बन गई है. संदेशखाली इलाका बशीरहाट लोकसभा क्षेत्र के तहत है. पार्टी ने इस सीट से पिछली बार जीतने वाली सांसद और अभिनेत्री नुसरत जहां को इस बार टिकट नहीं दिया है. संदेशखाली कांड के दौरान उनकी काफी किरकिरी हुई थी. इसी तरह बीरभूम और आसपास के जिलों में पार्टी के चुनाव अभियान की जिम्मेदारी उठाने वाले बाहुबली नेता अणुब्रत मंडल भी पशु तस्करी मामले में दिल्ली के तिहाड़ जेल में हैं. कहां है बीजेपी की पकड़ बीजेपी उत्तर बंगाल में मजबूत समझी जाती है. पिछली बार उसने इलाके की आठ में सात सीटें जीत ली थी. लेकिन इस बार उसे वहां भी अंतरकलह से जूझना पड़ रहा है. उसकी सबसे बड़ी चिंता दक्षिण बंगाल में पार्टी का संगठन कमजोर होना है. विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के अलावा उसके पास कोई बड़ा चेहरा नहीं है. जंगलमहल इलाके में लोकसभा की आठ सीटें हैं. पिछली बार इनमें से बीजेपी को पांच और तृणमूल कांग्रेस को तीन सीटें मिली थी।

होली है प्रेम और प्रकृति में लीन होने का त्योहार

सरस्वती रमेश

फाल्गुन का महीना मनुष्य और प्रकृति के उत्सव में लीन हो जाने का समय है। इस महीने में प्रकृति में चहुंओर बिखरे रंग हमारे जीवन से एकसार होने को लालायित नजर आते हैं। मानो प्रकृति आह्वान कर रही हो कि आओ रंगों के उत्साह से अपना जीवन इंद्रधनुषी कर लो। प्रकृति का यही हुलास रंगों के त्योहार होली में दिखाई देता है। शायद इसीलिए इसी महीने में भाल पर गुलाल मले रंगबिरंगी होली चली आती है। आह्लाद, उमंग, तरंग का जो संयोजन इस त्योहार में होता है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। जैसे समूची सृष्टि ही रंग के आनंद में सराबोर हो उठती है। हम रंगों को किसी त्योहार का रूपक मानते हैं। अनेक अर्थों में रंग विभिन्न भावों के प्रतीक भी हो सकते हैं। दरअसल, रंग सिर्फ जीवन के उत्सवधर्मी होने के पर्याय ही नहीं होते, बल्कि इनके पीछे जीवन का पूरा दर्शन छिपा हुआ है। हमारा जीवन अलग-अलग रंगों के मेल से बना हुआ है। एक तरफ हंसी और खुशी के रंग हैं तो दूसरी तरफ दुख और उदासी का। एक तरफ प्रेम और शृंगार का रंग है तो दूसरी ओर बिछोह और करुणा का। यह विरोधाभास ही तो जीवन की असल परिभाषा है कि जीवन में हर भाव, हर रंग का संतुलन साधना आवश्यक है। किसी एक रंग से न तो जीवन बन सकता है और न जीवन का संपूर्ण रस मिल सकता है। सुख तो तभी पता चलेगा, जब दुख होगा। लेकिन सुख और दुख, अच्छे और बुरे जीवन के रंगों में से हमें चुनाव करना होता है कि हम अपने जीवन में किस रंग की अधिकता रखना चाहते हैं। आशा और सकारात्मक दृष्टि रखने वाले लोगों के जीवन में हंसी-खुशी के रंगों की अधिकता होती है। ऐसे लोग दूसरों के जीवन में भी खुशी के रंग ही बिखेरते हैं। जबकि नकारात्मक सोच वाले और मन में निराशा का भाव रखने वाले न तो अपनी जिंदगी में कोई रंग भर पाते हैं और न ही दूसरों को कोई खुशी दे पाते हैं। ऐसे लोग तो दूसरों के जीवन में बिखरे रंगों को भी बदरंग करने से गुरेज नहीं करते। निराशा किसी दुख का नतीजा हो सकती है, मगर उससे निकलने की इच्छा एक सहज भूख है। खुशी वह रास्ता मुहैया कराती है। हमारे रिश्ते भी प्रकृति में रंगों की तरह ही विविधताओं से भरे हुए होते हैं। हर रिश्ते का अपना रंग और अपनी तासीर होती है। माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी, बच्चे-इन सभी रिश्तों में हमारी अलग-अलग संवेदनाओं के रंग बिखरे होते हैं। पर जिस तरह होली के तमाम रंगों का मकसद सबको एक ही रंग में रंगना होता है, ठीक उसी तरह हमारे सभी संबंध हमारी जिंदगी में खुशियों के रंग बिखेरने और हमारी जिंदगी को रंगीन बनाने के लिए होते हैं। हमारे रिश्ते प्रेम और मर्यादा के बंधन से बंधे होते हैं। हालांकि बात जब होली की हो रही हो तो रिश्तों की परिभाषाएं बदलते देर नहीं लगती। फाल्गुन में कई बार रिश्तों के दायरे नई शक्ल अख्तियार कर लेते हैं और कई बार मर्यादाओं के बांध भी तोड़ दिए जाते हैं। होली त्योहार ही ऐसा है। इसके रंग में जो रंगा सब भूल जाता है। कुछ याद रहता है तो बस आनंद। हालांकि यह भी कड़वा सच है कि कई बार महिलाओं को आनंद के त्योहार में असुविधाजनक स्थितियों का सामना करना पड़ता है। इस पहलू से देखें तो समाज को अभी स्त्रियों के प्रति संवेदनशीलता की कसौटी पर और प्रशिक्षित होने की जरूरत है। रंगों का उत्सव होली प्रेम और मिलन का अवसर है। अपनी अपनी बंद कोठरियों से निकलकर ढोल मंजीरे की थाप पर सामूहिक नृत्य करने और वर्ष भर के अवसाद अकेलेपन उदासी को धो डालने का समय। जिंदगी की व्यस्तताएं इतनी बढ़ गई हैं कि हम सुविधाओं से घिरे और उल्लास से विहीन होते जा रहे हैं। होली हमारे इसी अभाव को दूर करने के लिए आता है। अपनों का जमघट लगता है। गीत गाए जाते हैं। अच्छे-अच्छे पकवान बनते हैं। दुश्मनों से गले लगाकर उनसे दोस्ती बनाई जाती है। पराए भी अपने हो जाते हैं और हमारे नीरस उदास जीवन में रंगों का सरस मेला लग जाता है। होली के हुड़दंग में मन की कुंठा, ईर्ष्या बैर, भेद, ऊंच-नीच की भावना, अमीर-गरीब का अंतर सबकी होली जल जाती है। मन से सारे दूषित विचार निकल जाते हैं। हमारा शरीर नए मन को धारण कर लेता है। नया मन, जिसमें भाईचारा हो, प्रेम हो, बड़ों के लिए सम्मान छोटों के लिए दुलार हो और रिश्तों के प्रति आत्मीयता हो। असल में त्योहारों के बहाने रिश्तों में प्रेम अपनत्व के रंग भर कर उन्हें फिर से हरा-भरा किया जाता है।

चीन का विकल्प बनने को तैयार है भारत, वैश्विक स्तर पर तेजी से मिल रहा है समर्थन

भारत की लगातार बढ़ रही आर्थिक विकास दर के कारण सभी सहमत हैं कि आने वाले समय में भारत ही वैश्विक स्तर पर चीन की जगह लेगा। चीन के आर्थिक हालात अब उसके वश में नहीं लग रहे हैं, जिससे अब उसका वैश्विक रुतबा भी डावांडोल होता दिखने लगा है। गौरतलब है कि पिछले दो-तीन दशकों में चीन से ज्यादा तीव्र आर्थिक प्रगति किसी अन्य मुल्क ने नहीं की है। 1990 के दौर में वैश्विक जीडीपी में चीन का हिस्सा मात्र दो फीसदी हुआ करता था, जो 2021 तक लगभग 20 फीसदी के स्तर पर पहुंच गया। लेकिन अब उसमें गिरावट का दौर शुरू हो गया है। कुछ लोग इसका श्रेय कोरोना के बाद अमेरिका की तेजी से आर्थिक रिकवरी को देते हैं, तो बाकी विश्व की कुछ अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं, जिसमें भारत सबसे ऊपर है, के अलावा वियतनाम, इंडोनेशिया, मैक्सिको, पोलैंड की अर्थव्यवस्थाओं को भी देना उचित समझते हैं। हालांकि, अमेरिका को इसका श्रेय देना तर्कसंगत इसलिए लगता है, क्योंकि वर्ष 2022-23 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में 80 खरब डॉलर का विस्तार हुआ है, जिसके चलते उसका वर्तमान स्तर तकरीबन 1050 खरब डॉलर के बराबर है और इस आर्थिक वृद्धि में अमेरिका का हिस्सा 45 फीसदी रहा है। यह अपने आप में एक बार फिर वैश्विक स्तर पर अमेरिकी बादशाहत को दर्शाता है। हालांकि भारत का वर्तमान वैश्विक जीडीपी में हिस्सा तकरीबन चार फीसदी के आसपास है, पर भारत के विशाल घरेलू बाजार के चलते उसकी लगातार बढ़ रही आर्थिक विकास दर के कारण सभी सहमत हैं कि आने वाले समय में भारत ही वैश्विक स्तर पर चीन की जगह लेगा। इन सब के बीच, चीन को अभी से हारा हुआ नहीं समझा जा सकता। लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि चीन के वर्तमान आर्थिक हालात के पीछे का मुख्य कारण अमेरिका से उसकी अनावश्यक व्यापारिक प्रतिस्पर्धा है। वर्ष 2021 तक चीन, अमेरिकी जीडीपी के 76 फीसदी हिस्से को कवर भी कर चुका था, परंतु अब उसमें काफी कमी आ गई है। वर्तमान में चीन की अर्थव्यवस्था अमेरिका के जीडीपी का 65 फीसदी ही है। आने वाले समय में यह अंतर और भी बहुत तेजी से बढ़ेगा, क्योंकि अमेरिका के हालात उसके नियंत्रण में हैं, जबकि चीन में कई वजहों से अब स्थितियां बिल्कुल विपरीत हो चुकी हैं। इसका एक प्रमुख कारण है, चीनी सरकार व प्रशासन का सदैव वैश्विक स्तर पर बहुत अहंकारी रवैया। दूसरा, चीन के घरेलू बाजार में उपभोग क्षमता का लगातार कम होना, क्योंकि पिछली दो पीढ़ियां जनसंख्या नियंत्रण के चलते परिवार में एक बच्चे के साथ ही जीवन-यापन कर रही हैं। तीसरा मुख्य कारण चीनी अर्थव्यवस्था में वित्तीय ऋण का लगातार बढ़ता बोझ और चौथा मुख्य कारण है, बड़ी तेजी से चीनी बाजार का वैश्विक निवेशकों में अपना विश्वास खोना। चीन में अभी वित्तीय ऋण जीडीपी का 300 फीसदी है। आगामी वर्ष में प्रस्तावित चार से पांच फीसदी की विकास दर को हासिल करने के चक्कर में इस ऋण की मात्रा आने वाले कुछ वर्षों में 500 फीसदी हो जाएगी। सबसे बड़ी गड़बड़ी चीन में यह रही है कि वित्तीय ऋण का सबसे अधिक हिस्सा वहां की रियल एस्टेट कंपनियों को लगातार मिलता रहा। चीन में वर्तमान समय में तकरीबन 100 से अधिक बड़ी रियल एस्टेट कंपनियां हैं। इनमें से प्रथम 50 कंपनियां तो वित्तीय ऋण के कारण आर्थिक संकट में हैं। प्रथम पांच कंपनियां तो बैंकों द्वारा दिवालिया घोषित हो चुकी हैं।

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5186

	9	5			3	2	1	
7						5		9
2	8		6	9				4
							7	
			2	1	8			
	5							
1				4	2		8	5
9		8						7
	4	6	3			1	9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5185

3	7	9	4	5	2	8	6	1
1	8	6	3	7	9	5	4	2
4	2	5	6	8	1	9	3	7
9	1	2	7	4	5	6	8	3
6	4	3	2	1	8	7	5	9
8	5	7	9	3	6	1	2	4
7	3	8	1	6	4	2	9	5
2	6	4	5	9	7	3	1	8
5	9	1	8	2	3	4	7	6

वर्ग पहेली 5186

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1977 में यह देश संयुक्त राष्ट्र में भर्ती हुआ (5)
5. पश्चिमी अफ्रीका के इस देश की राजधानी कोनाक्री है (2)
7. जिसमें पूंछ लगी हो, पूंछ वाला (4)
8. प्रथा, परिपाटी, रिवाज (2)
9. धूल, गर्द, पराग के कण (2)
10. आनंदित, प्रसन्न, शाद, हर्षित (2)
11. दुश्मनी, अदावत, बैर (3)
13. शास्त्रीय संगीत में पांचवा स्वर (1)
14. मीमांसा को उर्दू में यह कहते है (2)
16. भगतसिंह के साथ इन्हें भी फांसी पर चढ़ाया गया था (4)
19. महर्षि वाल्मीकि का एक पौराणिक धार्मिक ग्रंथ (4)
21. गप्पी, झूठ बोलने वाला, [illegible] (3)
22. [illegible], हलत (3)
23. प्रारब्ध, किस्मत, भाग्य (4)

ऊपर से नीचे

1. ये कौरवों के मंत्री थे जो कृष्ण द्वैपायन के पुत्र थे वे राजनीति, धर्मनीति तथा अर्थनीति में बड़े ही निपुण थे (3)
2. जुगनू, अग्निमणि [illegible] (3)
3. ती, तब, फिर (2)
4. अठारह पुराणों में से एक जिसमें सनत्कुमार ने नारद को संक्षिप्त कल्कि कथा कही है (6)
5. शिव, पर्वतों का राजा होने के कारण हिमालय का एक नाम (3)
6. सामाजिक नियम जो लोक-व्यवहार के हेतु बनाए गए है, आचार-व्यवहार (2)
12. राजमुकुट, किरीट, अवतंस (2)
14. [illegible], सम्मीकरण (4)
15. [illegible], जो रिश्ते में माता के भाई हों (2)
17. उद्यान, वाटिका, बाग, फिल्म जगत के प्रसिद्ध गीतकार (4)
18. रूस देश में इस मुद्रा का प्रचलन है (3)
20. हजरत मूसा के धर्म का अनुयायी, [illegible] (उर्दू)(3)

वर्ग पहेली 5185 का हल

[illegible]

जैल में हुई मारपीट की रंजिश में हुआ था डबल मर्डर, 21 पर केस दर्ज, सात आरोपी गिरफ्तार

रतलाम/नामली, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने नामली थाना क्षेत्र में हुई बहुचर्चित दोहरे हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली है। दोनों युवकों की हत्या जहां शव मिले थे वहां से करीब आठ किलोमीटर दूर बांगरौद-नेगड़दा मार्ग पर की गई थी। वहां से शवों व मृतक की बाइक को एक कार में रखकर हाईवे पर कांडरवासा फंटे के पास फेंककर सड़क दुर्घटना में युवकों की मौत दर्शाने का प्रयास किया गया था। पुलिस के अनुसार दोनों युवकों की हत्या तीन वर्ष पहले जेल में दो ग्रुपों के कुछ युवकों के बीच हुई मारपीट की रंजिश और ग्रुपों की आपसी लड़ाई के चलते की गई थी। अब तक 21 के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर सात आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एसपी राहुल कुमार लोढा ने मंगलवार दोपहर दोहरे अंधेकत्ल की गुत्थी सुलझाने की जानकारी देते हुए बताया कि केशव गुर्जर और गजेंद्र डोडिया मित्र कुलदीप जाट के जन्मदिन की पार्टी में गए थे। रात करीब 10:30 बजे दोनों बाइक पर वहां से निकले थे तभी आरोपी पक्ष को फोन लगाकर एक युवक ने उनके निकालने की जानकारी दी थी। इसके बाद आरोपितों ने चारपहिया वाहनों से घेराबंदी कर कार से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इससे दोनों गिरकर घायल हो गए थे। इसके बाद केशव व गजेंद्र की हाकी, डंडे व फावड़े से पिटाई की गई थी। दोनों की मौत होने के बाद दोनों के शव एक कार में और उनकी क्षतिग्रस्त बाइक दूसरी कार में डालकर हाईवे पर शव व बाइक ले जाकर दुर्घटना दिखाने का प्रयास किया गया था। अब तक आरोपित सूर्यपाल सिंह पुत्र मदन सिंह पडियार, राहुल पुत्र शंकर जाट, शैलेंद्र उर्फ शालू, अंकित पुत्र मुकेश कुमावत, योगेश पुत्र भंवरलाल राठौर और अभिषेक पुत्र रणछोड जाट को गिरफ्तार किया गया है। वही आरोपित कान्हा जाट, दीपक जाट, प्रदीप जोशी, चरणसिंह जाट, समरथ चौधरी, रोहित कुमावत, ध्रुव जाट, दीपक गहलोत, सौरभ गेहलोत, विजय मेट, सौरभ मराठा, राजाराम चौधरी, दीपक गुर्जर और भगवान सिंह की तलाश की जा रही है।

यह है मामला–21 व 22 मार्च की दरमियानी रात महू-नीमच हाईवे पर गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों को कांडरवासा फंटे के पास 29 वर्षीय केशव गुर्जर और 30 वर्षीय गजेंद्र उर्फ गज्जू मृत मिले थे। उनके शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। वहीं शवों से कुछ दूर पर उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त अवस्था मिली थी। पहले माना जा रहा था कि उनकी मौत सड़क हादसे में हुई होगी, लेकिन 22 मार्च की दोपहर दोपहर शव घर ले जाते समय उनके स्वजन व अन्य लोगों ने हाईवे के अमलेटा फंटे पर जाम लगाकर धरना देकर उनकी हत्या करने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की थी। साथ ही धारा 302 में हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके मकान तोड़ने की मांग की थी। पुलिस अधिकारियों द्वारा बारीकी से निष्पक्ष जांच कर जांच में आए तथ्यों के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन देने पर धरना प्रदर्शन व जाम खत्म किया गया था। वहीं पुलिस को घटना स्थल से करीब आठ किलोमीटर दूर बांगरोद-नेगड़दा मार्ग पर एक क्षतिग्रस्त कार भी मिली थी। कार में हाकी व डंडें भी पाए गए थे।

भारतीय सेना के 11 सेनि जवानों को क्रांतिकारियों की तस्वीर व मशाल भेंटकर सम्मान किया

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। देश के महान क्रांतिकारी एवं सेना के जवानों के लिए बनाया गया संगठन दशपुर जागृति संगठन ने शहीद भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु के बलिदान दिवस वाले दिन उनकी स्मृति को चिरस्थाई बनाए रखने के लिए भारतीय सेना से सेवानिवृत्ति 11 जवानों का संगठन द्वारा क्रांतिकारियों की तस्वीर के साथ मशाल भेंट कर तथा पुष्पमाला पहनाकर उनका सम्मान किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व सूबेदार श्रवणकुमार त्रिपाठी, पूर्व सूबेदार दशरथ सिंह चौहान, समाजसेवी दृष्टनंद नेनवानी, संगठन के वरिष्ठरमेशचंद्र चंद्रे, संगठन के अध्यक्ष डॉ देवेंद्र पौराणिक द्वारा शहीद क्रांतिकारी भगतसिंह, सुखदेव व राजगुरु के चित्र के समक्ष मशाल प्रज्वलन किया गया। इस अवसर पर संगठन के रमेशचंद्र चंद्रे ने कहा कि आज के समय भगतसिंह का नारा इंकलाब जिंदाबाद-साम्राज्यवाद मुर्दाबाद को चरितार्थ करने की आवश्यकता है लेकिन दुर्भाग्य है कि देश पुन: साम्राज्यवाद की ओर जा रहा है। यही कारण है कि देश में नौकरियां खत्म हो रही है, किसान की जमीन छोटे-छोटे टुकडे में बटती जा रही है। एक तरफ देश के अंदर लाखों-करोड़ों रूपये खर्च कर शादीयां की जा रही है दूसरी तरफ एक गरीब अपनी बेटी के लिए ऋण लेकर शादी कर रहा है। यह स्थिति लंबे समय नहीं चलेगी। संगठन के अध्यक्ष डॉ देवेंद्र पौराणिक ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि हमें गर्व है हमारे देश के गौरव सैनिकों का सम्मान करने का अवसर मिला है। यह अवसर हमें देश के महान क्रांतिकारियों की बदौलत मिलकर देश की नई दिशा तय करने का अवसर मिला है। संगठन के समाजसेवी दृष्टानंद नेनवानी ने कहा दशपुर जागृति संगठन लगातार 14 वर्षों से कार्य कर रहा है इसके कार्य करने की प्रणाली से मैं बहुत खुश हूं एक ईमानदार देशभक्त संगठन जो मंदसौर से संचालित है यह गर्व का विषय है। संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। संगठन के संरक्षक रविंद्र पांडे द्वारा संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज दशपुर जागृति संगठन पूरे देश में अपना स्थान बन चुका है इसकी आवाज दिल्ली तक पहुंच चुकी है। एक आधार कार्ड एक संपत्ति के मान से देश के प्रत्येक नागरिक की संपत्ति जांच के घेरे में लेने का इस मंच ने पहले से मांग कर रखी है अब

समय आ चुका है देश में हर व्यक्ति को उतना ही मिलेगा जितनी उसकी आवश्यकता है शेष बचा हुआ राष्ट्र का होगा यह 2026 तक हो जाएगा। संगठन के उपाध्यक्ष बी.एस. सिसोदिया ने सैनिकों का सम्मान किया।

संगठन द्वारा 11 सैनिकों का जिनका सम्मान किया गया था उनमें पूर्व सूबेदार श्रवण कुमार त्रिपाठी, पूर्व सूबेदार एल.एस. चंद्रावत, पूर्व सूबेदार दशरथसिंह चौहान, पूर्व सैनिक रामनारायण मालवीय, पूर्व सैनिक नरेंद्र खटवड़, पूर्व सैनिक रामनारायण गुर्जर, पूर्व सैनिक राकेश सेठिया, पूर्व सैनिक दिनेश चौहान, पूर्व सैनिक प्रहलाद राठौड़, सैनिक जीवन शर्मा, सैनिक नंदकिशोर चौधरी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सूबेदार दशरथसिंह चौहान ने कहा कि हमें आज गर्व है कि भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु के दिन देश का या प्रथम संगठन हमें सम्मानित कर रहा है। यह सैनिकों के कार्यों को एवं उनकी सेवाओं को ध्यान में रखते हुए जो सम्मान किया है हम विश्वास दिलाते हैं हम राष्ट्र के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। पूर्व सूबेदार श्रवण कुमार त्रिपाठी ने कहा आज देश सेवा में जाने वालों की संख्या बहुत है लेकिन हमारे समय में बहुत कम सेवा में जाते थे लेकिन उनके अंदर देशभक्ति का जज्बा ज्यादा होता था। यही कारण है कि आज सैनिकों को सम्मान की दृष्टिसे देखा जाता है। संगठन के संरक्षक राजाराम तंवर द्वारा सैनिकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर देशभक्ति गीत लोकेंद्र पांडे की ओर से महान क्रांतिकारी भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु के चरणों में समर्पित किए गए। मेरा रंग दे बसंती चोला गीत गाकर चारों और देशभक्ति का वातावरण निर्मित किया। संगठन के संगीत एवं देशभक्ति प्रभारी नरेंद्र त्रिवेदी एवं ध्रुव द्वारा भी प्रस्तुति दी गई। संगठन के कोषाध्यक्ष हरीनारायण, अरुण गौड द्वारा भी सैनिकों का सम्मान किया गया। संगठन की महिला इकाई नगर अध्यक्ष सीमा चौरडिया द्वारा भी सैनिकों का सम्मान किया गय, गायत्री परिवार के कोलवा के प्रभारी केशव राव शिंदे द्वारा भी सैनिकों का सम्मान करते हुए उन्हें क्रांतिकारी तस्वीर भेंट करते हुए कहा कि आज समाज को आध्यात्मिकता की और देशभक्ति की सबसे ज्यादा जरूरत है।भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु का 23 वर्ष की उम्र में जो बलिदान है उसकी ज्वाला मशाल का रूप लेकर रहेगी और अब बहुत जल्दी अमीर गरीब की खाई समाज से हटकर रहेगी। इसके लिए की युवा सेवा कार्य करेगी परिवर्तन 2026 तक देखने को मिलेंगे। यह जानकारी संगठन के मीडिया प्रभारी अरुण गौड द्वारा दी गई।

बड़े रामद्वारा जनकूपुरा में वाणी जी का पाठ, भजन एवं प्रवचनों का आयोजन

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। अन्तर्राष्ट्रीय रामस्नेही संत स्वामी श्री रामनिवासजी महाराज के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में फूल डोल महोत्सव के अंतर्गत धुलेंडी पर्व पर जनकूपुरा अमर झमर के बाग में वाणी जी का पाठ, भजन एवं प्रवचन का आयोजन किया गया।

रामस्नेही संत श्री ललितरामजी महा. जहाजपुरा (राज.) वालों द्वारा प्रतिवर्षनुसार इस वर्ष भी बडे रामद्वारा में उपस्थित रामस्नेही भक्तों एवं माता बहनों के समक्ष ईश्वर के प्रति आस्था एवं संतों के प्रवचन एवं प्रभु के भजनों का संदेश दिया। आपके साथ पधारे युवा संत श्री ईश्वररामजी महाराज ने वाणी जी का पाठ किया तथा सस्वर भजनों के माध्यम से प्रभु भक्ति का संदेश दिया। निर्भय भवन रामटेकरी रामद्वारा संत श्री

रामनिवासजी महाराज के मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष धुलेंडी पर यह आयोजन होता रहा है। स्वस्थ एवं उम्र की दृष्टि के कारण स्वामी श्री रामनिवासजी उपस्थित नहीं हो सके। उक्त जानकारी उनके प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार एवं गीता भवन के सचिव पं. अशोक त्रिपाठी ने दी। इस अवसर पर रामस्नेही भक्तजन महेश गर्ग, सुनील गर्ग, संदीप गर्ग, महेश गर्ग, दीपक कोठारी, दिलीप चौधरी, अंकित कोठारी, योगेश अग्रवाल, महेश गेहलोद, सुभाषचन्द्र अग्रवाल, महेश शांतिलाल गर्ग, रमेश राठौर आदि बड़ी संख्या में माता-बहने उपस्थित थी। इस अवसर पर पं. अशोक त्रिपाठी ने संत श्री ललितरामजी एवं युवा संत ईश्वररामजी का होली पर्व पर सुगंधित पीले रंग की गुलाल लगाई व आभार व्यक्त किया।

होली मिलन-कवि सम्मेलन और सम्मान समारोह सम्पन्न

मनासा, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मंच के तत्वावधान में 133 वाँ आयोजन होली महोत्सव-2024 के शुभ अवसर पर कवि सम्मेलन और सम्मान समारोह का आयोजन 24 मार्च रविवार शाम 07 से 09 बजे तक अंतर्राष्ट्रीय पटल गूगल मीट पर किया गया। संस्थापक कवि संदीप कपूर वक़्तनाम की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार ऑल इंडिया रेडियो आकाशवाणी भागलपुर के कार्यक्रम अधिशासी श्री अतुल प्रियदर्शन, विशिष्ट अतिथि संस्कार न्यूज के प्रधान संपादक कवि विजय कुमार शर्मा एवं पूर्वांचल राज्य के ब्यूरो प्रमुख कवि निशिकांत राय, कार्यक्रम निर्देशक डॉकृष्णा सिंह, कला निर्देशक डॉ.तृप्ति कुमारी तान्या, संरक्षक रक्षा मंत्रालय भारत सरकार के सेवा निवृत्त वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी कवि ज्ञानेंद्र मोहन ज्ञान, अध्यापक ब्रजेश कु प्रसाद गौरव एवं अधिवक्ता अविनाश कु पाण्डेय ने होली महोत्सव के शुभ अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दिया। संस्थापक कवि संदीप कपूर वक़्तनाम ने कहा कि सत्य और धर्म की विजय के साथ हर्ष-उल्लास, प्रेम और आनंद का पवित्र पर्व होली हमें अध्यात्म-मानव धर्म और विश्व.कल्याण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का संदेश देता है। आयोजन में सामाजिक-सांस्कृतिक- आध्यात्मिक-साहित्यिक और पत्रकारिता जगत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वालों को प्रशस्ति-पत्र/सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों में 'पत्रकार श्री' कवि विजय कुमार शर्मा, कवि आशीष पाण्डेय, श्री निशिकांत राय, श्री कमलेश दुबे विद्रोही, श्री हेमंत शर्मा, श्री शैलेन्द्र कुमार गुप्ता, श्रीकांत यादव और श्री राज किशोर साह हैं। 'काव्य श्री' डॉ तृप्ति कुमारी तान्या, डॉ कृष्णा सिंह, कवि ज्ञानेंद्र मोहन ज्ञान, डॉद्ध-सुनील कुमार उपाध्याय एवं डॉ.राज कुमार अरोड़ा हैं। 'समाज श्री' अधिवक्ता कवि अविनाश कु पाण्डेय एवं श्री कैलाश ठाकुर हैं। 'नवांकुर कवि' श्रेयस सुयश तथा 'नवांकुर कवयित्री' ब्राह्मी कपूर और विश्वांगी कपूर हैं। इस अवसर पर शानदार कवि सम्मेलन में कविता-गीत और ग़ज़ल का दौर शुरू हुआ। कवि विजय कुमार शर्मा ने होली पर अलग-अलग रंग, व्यंग्य, विरह आदि रस पर दोहे प्रस्तुत किए। 'जो सबको देखे समझे उसे वक़्त कहते हैं। जो वक़्त को न समझे उसे कमबख्त कहते हैं।' सुनाकर कवि संदीप कपूर वक़्तनाम ने सबों को हास्य व्यंग से सराबोर कर दिया। डॉ.सुनील कुमार उपाध्याय- 'आई आई ए गणेश जी पधारीं अंगना रउआ आई ना अकेले वाणीं लाई संग ना।' डॉ कृष्णा सिंह - इस होली पर न जाने क्यों आंखें मेरी भर आई, डॉद्ध-तृप्ति कुमारी तान्या- आ गई होली सखे आओ खेलें होली सखे, कवि ज्ञानेंद्र मोहन ज्ञान- अबीरो- रंग गुलालों से सजा बाज़ार होली में, कवि राज कुमार अरोड़ा - जिंदगी के हर मोड पर मैं जिंदगी से मिलता रहा, कवयित्री ब्राह्मी कपूर - रंगीन समां हसीन नजारा रंग लगाना फ़र्ज हमारा, कवि श्रेयश सुयश- अरे मेरे देश के वीर जवानों, कवयित्री विश्वांगी कपूर- होली प्रेम का उत्सव है हम प्रेम से इसे मनाते हैं... सुनाकर सबों को मुग्ध कर दिया। कवयित्री नीलिमा नीलम भोजले एवं सुनील कु.आर्य की रचना प्रशंसनीय रही। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम निर्देशक डॉ कृष्णा सिंह ने किया।

ईवीएम वीवीपेट मशीन का प्रदर्शन कर मतदाताओं को दी जानकारी

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मतदान में शत-प्रतिशत लोग मतदान करें। इसके लिये जिले में ईवीएम वीवीपैट मशीन प्रदर्शन का कार्य किया जा रहा है। ईवीएम तथा वीवीपैट मशीन के उपयोग की जानकारी मतदाताओं को दी जा रही है। ईवीएम एवं वीवीपैट मशीन का प्रदर्शन कर मतदाताओ को जागरूक किया जा रहा है। मतदाताओं को ईवीएम वीवीपैट मशीन प्रदर्शन कर बताया जा रहा है कि बैलेट यूनिट मे अपने पसंद के प्रत्याशी के नाम और चुनाव चिन्ह के सामने वाले

नीले बटन को दबाना होगा। जिस प्रत्याशी को वोट दिया है उसके नाम चुनाव चिन्ह के सामने वाली लाल लाइट जलेगी। प्रिंटर एक बैलेट पर्ची प्रिंट करेगा जिसमें पसंद के प्रत्याशी के सरल क्रमांक, नाम और चुनाव चिन्ह अंकित होगा। बैलेट पर्ची सात सेकण्ड के लिए दिखेगी उसे बाद कट कर प्रिंटर के ड्राप बाक्स मे गिर जाएगी और एक बीप की आवाज सुनाई देगी। प्रिंट पर्ची को ग्लास मे से देखा जा सकता है। बैलेट पर्ची नही दिखने एवं बीप की आवाज नही आने पर पीठासीन अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है। ईव्हीएम मशीन में बटन दबाकर वीवीपैट मशीन में जिस प्रत्याशी को मत डाला है। स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इससे अब मतदाता इस बात के लिए निश्चित होगा कि मेने जिसके पक्ष में मत दिया है मतदान वही हुआ है। वीवीपैट मशीन के प्रति मतदाताओं का जहां एक ओर शकांओ का समाधान हो रहा है वही दूसरी ओर मतदान के प्रति जागरूकता बढ रही है। ईवीएम तथा वीवीपैट मशीन के उपयोग की जानकारी मतदाताओं को स्वीप के माध्यम से दी जा रही है।

निर्वाचन सम्पन्न होने तक जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर रहेगा प्रतिबंध

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा निर्वाचन 2024अवधि के दौरान कोलाहल पर नियंत्रण बनाए रखना लोकहित में आवश्यक है। इस संबंध में मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 10 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने जिला मंदसौर की परिधि में निर्वाचन सम्पन्न होने तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश पारित किया है। निर्वाचन अवधि के दौरान ध्वनि विस्तार यंत्रों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। निर्वाचन प्रचार के समय ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग करने के लिए विधिवत अनुमति संबंधित अनुविभागीय दंडाधिकारी/कार्यपालक दंडाधिकारी से लेना होगी। सर्वोच्च न्यायालय निर्णित रिट पिटिशन (सिविल) क्रमांक 72/98 में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के संबंध में पारित आदेश दिनांक 18 जुलाई 2005 का पालन सुनिश्चित किया जाना होगा। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग हेतु ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में सुबह 6 से रात्रि 10 बजे तक की अवधि के लिए ही अनुमति प्रदान की जाएगी। अनुमति जारी करता अधिकारी, शासन द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अधीन स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अनुमति देने या निरस्त करने के लिए सक्षम होंगे।

एन लिस्टई रिसोर्स पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मन्दसौर के प्राचार्य डा. एल.एन. शर्मा ने बताया कि एनलिस्ट एक ऐसा महत्वपूर्ण प्लेटफार्म है, जिसमें विद्यार्थी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का ज्ञान भी प्राप्त कर सकते हैं। ग्रंथालय विभाग द्वारा महाविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एन- लिस्ट (ईरिसोर्सेज) के माध्यम से ईजर्नल्स और ईबुक्स की सर्च प्रक्रिया केबारे में समय सारणी अनुसार दिनांक 15 /3/ 2024 से 22 /3 /2024 तक ग्रंथपाल मेघासिंह द्वारा प्रशिक्षण दिया गया जिसमें विद्यार्थियों के साथ-साथ महाविद्यालय के समस्त विभाग अध्यक्ष ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया और एन -लिस्ट (नेशनल लाइब्रेरी एंड इनफॉरमेशन सर्विसेज इंफ्रास्ट्रक्चर फोर स्कॉलरली कंटेंट) एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की 6000+ ई-जर्नल्स 1,99,500 + ई-बुक्स तथा 6,00,000+ ईबुक्स नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी के द्वारा उपलब्ध कराई गई है। और एन-लिस्ट की सेवा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को बिना किसी शुल्क के प्रदान की जा रही है इसमें विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन करवाकर रिमोट एक्सेस की सुविधा भी प्राप्त कर सकते हैं।

मतदान केंद्र हेतु निर्धारित सभी शासकीय भवन 11 मई तक रिक्त करें

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने लोकसभा निर्वाचन हेतु मतदान केंद्रों के लिए चिन्हित किए गए समस्त शासकीय/अशासकीय भवनों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 160 में प्रदत्त अधिकारों के तहत 12 मई 2024 से 14 मई 2024 तक की अवधि के लिए अधिग्रहित करने के आदेश जारी किये है। भवन स्वामी/भवन के अधिपत्य के विभाग को मतदान केंद्र हेतु निर्धारित भवन 11 मई 2024 सायं में को रिक्त करेंगे। इन भवनों में पूर्व की भांति फर्नीचर, दूरभाष आदि व्यवस्थाओं को यथावत रखा जावे।

पोषण आहार पैकेट पर नारे लिखकर मतदाता को किया जागरूक

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए जिले में स्वीप गतिविधियों का संचालन जोरो से चल रहा हैं जिसके के तहतमतदाताओं द्वारा पोषण आहार पैकेट पर नारे लिखकर मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया जा रहा है। मतदाताओं में मतदान के प्रति गहरी रूचि एवं उत्साह देखा गया। नए मतदाताओं का कहना है कि हम इस बार जरूर मतदान करेंगे तथा देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाने में हम अपना अहम योगदान भी देंगे। इसके साथ ही मतदाताओं को किस तरह से मतदान करना है। मतदान करने से क्या फायदा है आदि के संबंध विस्तार से बताया। यह सभी गतिविधियां स्वीप के माध्यम से की जा रही है। स्वीप गतिविधि के द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

सभी मतदान केन्द्रों पर बेहतर एएमएफ सुविधाए सुनिश्चित की जाएं- जैन

कलेक्टर ने की मतदान केन्द्रों पर बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा

नीमच, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत नीमच जिले में 13 मई 2024 को मतदान होगा। मतदाता जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से मतदान प्रतिशत बढाने के लिए विशेष प्रयास किये जाए और प्रयास करें कि मतदान प्रतिशत में नीमच जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहे। इसके लिए नगरीय क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता गतिविधियां पर विशेष फोकस किया जायें। यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में स्वीप गतिविधियों एवं मतदान केन्द्रौं पर एएमएफ सुविधाओं की उपलब्धता की समीक्षा के दौरान दिये। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश साह, सभी जिला अधिकारी एवं सभी एसडीएम, जनपद सीईओं एवं सीएमओं उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने नगरीय निकायों, जनपदों द्वारा अब तक संचालित स्वींप गतिविधियों पर संतोष जताते हुए कहा, कि मतदाता जागरूकता गतिविधियों आयोजित की जाये। सभी नगरीय निकाय एवं जनपद और विभाग शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य लेकर मतदान जागरूकता की गतिविधियां बढायें। मतदान दिवस 13 मई 2024 का विशेष प्रचार-प्रसार कर मतदाताओं को मतदान करने के लिए शपथ दिलवायें। संकल्प पत्र भरवाएं। उन्होंने सभी नगरीय निकायों जनपदें, ग्राम पंचायतों के माध्यम से मतदान केन्द्रों पर बेहतर व्यरवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही मतदान दलों के कर्मचारियों के लिए भी सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शहरी क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता गतिविधियों को बढाने पर जोर देते हुए कहा, कि सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मतदान अवश्यि करें, यह सुनिश्चित किया जाएं। कलेक्टर ने मतदान केन्द्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता की समीक्षा के दौरान मतदान केन्द्रों पर बिजली, पेयजल, रेम्प व अन्य सुविधाएं 18 अप्रैल 2024 तक सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

होली की उल्लास में छुपा मानवीय संदेश...

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। यह भारत के उत्सवो की जीवंतता ही तो हे की विभिन्न उत्सव समाज को कोई न कोई संदेश देते हे। उत्सवो के माध्यम से हम हमारी संस्कृति, इतिहास और परंपरा से साक्षात्कार करते हे। रस, रंग, माधुर्य, उत्साह, स्नेह, समरसता और आंतरिक उल्लास को उभारने वाले सांस्कृतिक महापर्व का नाम हे होली। विरासते भूलने के लिए नही होती है वे तो स्मृति का अमृत होती है। होली के साथ कितनी ही स्मृतियां जुडी हे। इस उत्सव पर जाने कितनी कविता और कहानियां हे। होली के रंग सृजन की स्याही हे और अबीर तथा गुलाल उसकी अभिव्यक्ति। होली निज का नही लोक का उत्सव हे। होली के साथ भक्त प्रहलाद की स्मृति जुड़ी हे। इस कथा का संदेश बड़ा महत्वपूर्ण है। हिरणकश्यप की बहन होलिका को वरदान प्राप्त था की वह आग में भस्म नही होगी इसलिए प्रहलाद को गोद में लेकर वह लकड़ियो की वेदिका के बीच बैठ गई थी किंतु प्रहलाद की ईश्वर के प्रति उसकी अडिग आस्था ने उसके वरदान को शाप में बदल दिया और वह भस्म हो गई। आस्था हो और वह अडिग हो तो उसके तेज में अहंकार भस्म हो जाता है। वरदान शाप में बदल जाता है और व्यक्ति ऐसा निर्भय हो जाता है की उसे किसी का भय नही रहता। होली अहंकार की पराजय का भी प्रतीक हे। होली एकमात्र उत्सव हे जो भूलने का भी हे और याद करने का भी इस उत्सव पर हम सभी एक दूसरे के प्रति बेर, की गई गलतियों और मतभेद सब भूल जाते हे और याद रखते हे तो केवल स्नेह और आत्मीयता। होली का उत्सव दुखद क्षणो को तिलांजलि देकर परिवार व समाज में उत्साह के वातावरण का सृजन करता है। इस उत्सव से दुख एवम असमय वज्रघात सहन करने वाले परिवार में उत्सव की शुरुआत हो जाती हे। होली समरसता का भाव जगाने वाला उत्सव हे क्योंकि इस दिन सभी व्यक्ति एक जैसे होते है सबके चेहरे लाल, हरे, पीले रंगो में रंगे होते हे किसी भी व्यक्ति को उंच्र नीच व छोटे बड़े का आभास नही होता।

होली उत्सव अपने में अनेक प्रकार की धार्मिक, सामाजिक रीति नीति और उद्देश्य समाहित किए हुवे हे जिसकी सीख का व्यापक दायरा हे। जिंदगी जब सारी खुशियों को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तब प्रकृति मनुष्य को होली जैसा उत्सव देती है। गरीब अमीर के बीच समानता का नाम है होली, बसंत के संदेश फागुन का उत्साह है होली, बिखरती मानवीय संवेदनाओं को जोड़ने का नाम है होली, समरस भारतीय समाज के एकीकरण के महाअनुष्ठान का नाम है होली। होली का पवित्र उत्सव मानवता के लिए यह संदेश लेकर आता हे की हम सब अपने अंतर्मन को द्वेष, ईर्ष्या, घृणा, और बेर की गंदगी से मुक्त करे। ये सारे भाव हमारे हृदय को कलुषित करने का काम करते हे। इनके रहते हुए हम सच्चे मानवीय मूल्यो को कदापि स्पर्श नही कर सकते। मन में इनका होना ठीक उसी तरह हे जैसे की किसी अमूल्य वस्तु को दीमक का लगना। वास्तव में जब हमारा मन प्रेम, दया, करुणा, क्षमा, सहयोग व भाईचारे के सुंदर रंगो से रंगा होगा तो फिर किसी दुर्गुणों के लिए मन में कोई स्थान शेष न बचेगा। यदि प्रत्येक व्यक्ति इन सदभावो के रंग से स्वयं को रंग ले तो समाज में बुराइयो के लिए कोई स्थान नहीं होगा। ऐसा कर के ही हम सही अर्थो में होली मनाकर उसे सार्थक बनाकर उसका आनंद ले पाएंगे। रंगोत्सव होली का उत्साह सभी को समरसता के रंग में भिगोकर राष्ट्रीय एकता व अखंडता को मजबूत करने के लिए प्रेरित करे इसी भाव केसाथ होली की आत्मीय शुभकामनाएं...

गौरव सोनी, मंदसौर

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	21	2273	2351
उडद	0000	00000	00000
सोयाबीन	2378	4210	4640
गैहु	6500	2090	2662
चना	653	5000	5420
मसुर	97	5200	5850
धनिया	104	6221	7000
लहसुन	265000	3500	13001
मैथी	1377	4250	6300
अलसी	1966	4500	5020
सरसो	349	4612	4912
तारामीरा	3	4571	4581
इसबगोल	68	11000	15430
प्याज	384	300	1562
कलोंजी	11	15880	18620
डॉलर	0000	00000	00000
तिल्ली	1	12500	12500
मटरसुखी	1	4300	4300
असालीया	70	6611	6940

मामला दि जीवाजीराव शुगर कम्पनी लि. दलौदा को लीज पर दी गई शासकीय भूमियों को नीलामी में बेचने का...

ऋण वसूली अधिकरण जबलपुर ने नीलामी में शासकीय परिसमापक को नही जोड़ा तथा सुप्रीम कोर्ट के निर्देशो की अवहेलना की

शासकीय परिसमापक इंदौर, ऋण वसुली अधिकरण जबलपुर, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया से जानकारियां प्राप्त हुई-शाह

दलौदा, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। दि जीवाजीराव शुगर मील दलौदा को लीज पर दी गई 366 बीघा 18 बीसवा शासकीया भुमियो व मील की समस्त सम्पत्ति पर सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 65 लाख रूपए का ऋण मील को उपलब्ध करवाया व ऋण वसुली के लिए ऋण वसूली अधिकरण जबलपुर में वाद लगाया। इस पर से ऋण वसूली अधिकरण जबलपुर के रिकवरी अधिकारी ने मील की सम्पत्ति के साथ में शासकीय भूमियो की नीलामी में शासकीय परिसमापक अधिकारी को नही जोड़ा व सुप्रीम कोर्ट के निर्देशो की अवहेलना करके शासकीय भूमियो को भी नीलामी में बेच दिया।

समाजसेवी अनवर शाह दलौदा ने बताया कि, मेसर्स दि जीवाजीराव शुगर मील कम्पनी के शासकीय अधिकारीक परिसमापक ने पत्र में लिखा कि उच्च न्यायालय म.प्र. इंदौर खण्ड पीठ एवं उक्त से जुडे शासकीय परिसमापक कोर्ट्स को इसका परिसमापक नियुक्त किया गया है। कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (1) निम्नानुसार प्रावधान करती है कि जब समापक आदेश किया गया है। या अधिकारीक परिसमापक को अंतिम परिसमापक के रूप में नियुक्त किया गया है तो कोई मुकदमा या अन्य कानूनी कार्यवाही शुरू नही की जावेगी। आदेशानुसार न्यायालय की अनुमति के अलावा और न्यायालय के द्वारा लगायी गयी शर्त के अधीन कम्पनी के विरूद्ध कार्यवाही की जावेगी। समापन आदेश पारित होने के परिणामस्वरूप कम्पनी की सभी सम्पत्ति को प्रभाव कम्पनी न्यायालय की हिरासत में माने जाऐंगे। जैसा की कम्पनी अधिनियम की 1956 की धारा 456 (2) के तहत प्रदान है जो इस प्रकार है- धारा 456 (2) के कम्पनी के समापन के आदेश की तारीख से कम्पनी की सभी सम्पत्ति और प्रभाव न्यायालय की हिरासत में माने जाऐंगे। अधिकारीक समापन व अन्य (2005) 6 कॉम्प एल्जे 129 (एससी) में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है पेरा-17 कम्पनी अदालतो ने सही निर्देश दिया है प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारीक परिसमापक के सहयोग से की जाऐगी।

वितरण की योजना के उचित कार्यन्वन को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारीक परिसमापक को बिक्री की प्रक्रिया से जोड़ना आवश्यक है। (एससी) सुप्रा मे अधिकारीक परिसमापक अधिकारों पर चर्चा की गई थी। एस.एफ.सी. अधिनियम की धारा 31 के तहत एक आवेदन पर विचार करने वाले ऋण वसुली न्याधिकरण और जिला न्यायालय को सामान्य रूप से लेनदारो के प्रतिनिधी के रूप में बिक्री का आदेश देने से पहले परिसमापक और यहा उसे नोटिस जारी करना चाहिए। बैंक और वित्तीय संस्थाओ के कारण ऋण की वसुली अधिनियम 1993 के तहत कार्य करने वाला एक ऋण वसूली न्याधिकरण अपने वसूली अधिकारी के माध्यम से देनदार की सम्पत्तियों की बिक्री का आदेश देने और बेचने का हकदार होगा। भले ही कम्पनी परिसमापन मे हो लेकिन कम्पनी न्यायालय द्वारा अधिकारीक परिसमापक को नोटिस देने और उसे सुनने के बाद यदि केस एस.एफ.सी. अधिनियम की धारा 29 के तहत कार्य करने वाली कोई वित्तीय निगम परिसमापन में देनदार कम्पनीयों को बेचने या अन्यथा स्थानांतरित करना चाहता है तो उक्त शक्ति का प्रयोग कम्पनी न्यायालय से उचित अनुमति प्राप्त करने के बाद ही किया जा सकता है। अधिकारीक परिसमापक को बिक्री से जोड़ने अपसेट मुल्य का आरक्षित मुल्य तय करने बिक्री की पुष्टि करने बिक्री आय को रखने और धारा के अनुसार लेनदारों के बीच उसके वितरण के सम्बंध में उस अदालत द्वारा जारी निर्देशों के संदर्भ में 529 ए और कम्पनी अधिनियम की धारा 259 ऐसे मामले में जहा बैंको और वित्तिय संस्थानों के कारण ऋण वसुली अधिनियम 1993 या एस.एफ.सी. अधिनियम के तहत कार्यवाही शुरू नही की गई है। सम्बंधित ऋणदाता को अपनी वसुली के संबंध में उचित निर्देशों के लिए कम्पनी न्यायालय से संपर्क करना होगा।

यह सच है कि, रिकवरी अधिकारी ने अपीलकर्ता के पक्ष में बिक्री की पुष्टिकी यह कि, जैसा की हमने पहले ही नोट किया है। कम्पनी कोर्ट द्वारा लगायी गयी शर्त के मद्देनजर रिकवरी अधिकारी के पास बिक्री की पुष्टि करने की शक्ति नही थी। एक आदेश पारित किया गया कानुन का अधिकार ना रखने वाले किसी अधिकारी द्वारा कोई प्रभाव नही पड़ता है। यह ना तो उस पक्ष के पक्ष में कोई अधिकार बनाता है। जिसके लिए ऐसा आदेश दिया गया है। और ना ही विपरीत पक्ष पर कोई दायित्व लगाता है जिसके खिलाफ यह पारित किया गया था माननीय कम्पनी न्यायालय ने अपने आदेश दिनांक- 04/09/2006 के तहत अधिकारीक समापक के सहयोग से वसुली अधिकारी दि आर.टी. जबलपुर को सम्पत्तियों को बेचने की अनुमति दी थी। हालांकि वसुली अधिकारी ने कम्पनी न्यायालय से बिक्री की पुष्टि के लिए कोई अनुमति नही ली। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि, रिकवरी ऑफिसर ने कम्पनी की फेक्ट्री बिल्डिंग (इन लिकन) और मेसर्स शुभम मंगलम कंट्रक्शन प्राईवेट लि. को बेच दी है।

परिसमापन में कम्पनी की गिरवी सम्पत्ति सेन्ट्रल बैंक के पास भारत और जिसके संबंध में टि.ए. में दि आर.टी द्वारा पहले ही एक बिक्री पारित की जा चुकी है। और एल. के सहयोग से 1990 की संख्या 168, 169 और 170 इस न्यायालय द्वारा कम्पनी संख्या 25/01 में नियुक्त किया गया। यह ध्यान देने की आवश्यकता नही है कि, विचाराधीन सम्पत्ति को सार्वजनिक नीलामी में जितना संभव हो उतना प्रचार प्रसार करके और सर्वोत्म विपणन योग्य मुल्य प्राप्त करने के एकमात्र उद्देश्य से बेचा जाएगा। वसुली अधिकारी द्वारा यह सुरक्षित लेनदारो यानी सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के हित में होगा। यह संबंधित सम्पत्ति का मुल्यांकन कराये ताकि सम्पत्ति की बिक्री से पहले सम्पत्ति का मुल्यांकन ज्ञात हो।

उपरोक्त आदेश के अनुसार वसुली अधिकारी दि आर.टी जबलपुर को अधिकारीक परिसमापन के सहयोग से कम्पनी की सम्पत्ति - (इन-लिकन) बेचने की अनुमति दी गई थी। न्यायालय ने आगे निर्देश दिया है कि, सम्पतित को सार्वजनिक नीलामी में बेचा जाऐगा। न्यायालय ने वसुली अधिकारी को बिक्री कार्यवाही की उचित सुचना अधिकारीक परिसमापक को देने का निर्देश दिया है। कि, न्यायालय के आदेश दिनांक- 04/09/2006 के अनुसरण में अधिकारीक परिसमापक ने उपरोक्त आदेश की प्रति के साथ सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया को दिनांक- 08/11/2006 को एक पत्र लिखा है और प्रतिलिपी ऋण वसुली न्याधिकरण जबलपुर को पृष्ठांकित की है। कम्पनी की परिसम्पत्तियों (इन लिकन) की बिक्री के संबंध में सुचित करते हुए कि, उन्हे दिनांक 04/09/2006 के आदेश के अनुसार कम्पनी की सम्पत्ति (इन लिकन) को बेचना होगा। इस कार्यालय को यह ज्ञात हुआ कि वसुली अधिकारी दि आर.टी. जबलपुर ने अधिकारी परिसमापक को सुचित किए बिना दिनांक 12/12/2006 को एक पत्र लिखा गया। अधिकारी ऋण वसुली न्याधिकरण जबलपुर साथ ही सेन्ट्रल बैंक ने जानकारी देते हुए अखबार में बिक्री का विज्ञापन दिया है। बिना पूर्व सुचना के अखबार में सम्पत्ति की बिक्री की सुचना या मामले में अधिकारीक परिसमापक के साथ कोई जानकारी और चर्चा और उनसे यह सुनिश्चित करने का अनुरोध करते हुए माननीय उच्च न्यायालय और शीर्ष न्यायालय के आदेशों का कडाई से पालन किया जाता है और बिक्री की पुष्टि नही की जाती है। अधिकारी परिसमापक को शामिल किए बिना ऐसा ना करने पर मामला माननीय न्यायालय के समक्ष रखा जाऐगा। वसुली अधिकरण ने बिक्री कार्यवाही को अन्तिम रूप देने के बाद अधिकारीक परिसमापक को सुचना बाद में 20/12/2006 को दी। अधिकारीक परिसमापक और अन्य (2005) 06 dCM ñl 129 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने माना है कि, पैरा-18 बैंक ओर वित्तिय संस्थानों के कारण ऋण की वसुली अधिनियम 1993 के तहत कार्य करने वाला एक एक ऋण वसुली न्याधिकरण अपने वसुली अधिकारी के माध्यम से देनदार की सम्पत्तियों की बिक्री का आदेश और बेचने का हकदार होगा। भले ही कोई कम्पनी परिसमापन मे हो। लेकिन केवल अधिकारीक परिसमापक या न्यायालय द्वारा नियुक्त परिसमापक को नोटिस देने और सुनने के बाद ही। यह सच है कि, रिकवरी अधिकारी ने अपीलकर्ता के पक्ष में बिक्री की पुष्टिकी, लेकिन जैसा की हमने पहले ही नोट किया है कम्पनी कोर्ट द्वारा लगायी गयी शर्त के मदेनजर रिकवरी अधिकारी के पास बिक्री की पुष्टिकरने की शक्ति नही थी। एक आदेश पारित किया गया कानुन का अधिकार ना रखने वाले किसी अधिकारी द्वार कोई प्रभाव नही पडता है।

परिसमापक के पत्र के कुछ अंश...

सुचना के अधिकार के तहत ऋण वसुली अधिकरण जबलपुर से जानकारी ली गई थी कि, म.प्र. शासन ने शुगर मील की समपत्ति नीलाम करने की आपत्ति पेश की थी। इसपर से जानकारी क्र. 05 में लिखा कि, राज्य की आपत्ति का अभिलेख उपलब्ध नही है।

जानकारी नीलामी की पुरी कार्यवाही अधिकारीक परिसमापक एवं रिकवरी अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से की गई। कॉलम 06 में जानकारी दी गई की वसुली अधिकारी द्वारा नीलामी की कार्यवाही बैंक व वित्तिय संस्थानों के शोध वसुली अधिनियम 1993 की एवं आयकर अधिनियम के वसुली प्रमाण पत्रों से वसुली नियम 1961 के अंतर्गत सम्पन्न की।

सेन्ट्रल बैंक से सुचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी की शुगर मील की भुमियों का सर्च करके मोर्गेज की थी। इस पर से जानकारी दी गई की मामला न्यायाधीन है, इसलिए जानकारी नही दी जा सकती है। शासकीय परिसमापक इंदौर से जानकारीया मांगी वहा से भी जानकारीया दी गई की इसके लिए आपको तृतीय पक्ष की अनुमति प्रस्तुत की जानी आवश्यक है।

शाह ने बताया कि जिस तरह से दि जीवाजीराव मील ग्वालियर की 712 बीघा जमीन शासन को मिली, सीरी मील की जमीन 115 एकड भुमि, भागीरथपुरा वनस्पति की जमीन, नागदा बीसीसीआई की सारी जमीन हाईकोर्ट के आदेश से शासन को मिली। बीसीसीआई की रजिस्ट्री और नामांतरण भी निरस्त किया गया। उसी तरह दलौदा शुगर मील की भुमियों को भी शासन के अधीनस्थ करवाने हेतु माननीय सुप्रीम कोर्ट में याचिका प्रेषित की जावेगी। क्योंकि, इस मील की भुमि पर हजारों की संख्या में जनसमुदाय बसा हुआ है तथा शासन तथा ग्राम पंचायत के द्वारा सभी सुविधाएं भी दी गई है।

चांदी चमकाने के नाम पर चांदी काटने वाले को पुलिस ने दबोचा

सैंतीस मामलों का खुलासा हुआ

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। चांदी चमकाने के नाम पर केमिकल से धोकर चांदी कम करने वाले गिरोह के एक सदस्य को पुलिस ने पकड़ा है। बिहार के रहने वाले इस बदमाश से पूछताछ में 37 वारदातों का खुलासा हुआ है। एमपी सहित अन्य राज्यों में यह गिरोह काम कर रहा है। अब तक कुल 37 वारदातों को आरोपी ने कबूला है। जिसमें मंदसौर के ग्रामीण क्षेत्र, जावरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, रीवा, ब्यावरा, सतना, आगर, शाजापुर, भवानीमण्डी राजस्थान, झांसी उप्र में आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में एक और नामजद आरोपी को पुलिस तलाश रही है।

नई आबादी थाना पुलिस ने बताया कि कारीबाई अहिरवार निवासी ग्राम दमदम द्वारा 20 मार्च को पुलिस को शिकायत की गई। जिसमें उसने बताया कि उसके घर के बाहर ग्राम दमदम में एक अज्ञात आरोपी द्वारा चांदी की रकम चमकाने के बहाने उसके गहनों में से चांदी कम कर दी गयी। रिपोर्ट पर से अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया। विवेचना के दोरान अज्ञात आरोपी की पतारसी की गई। जिसमें आरोपी अरनिया निजामुद्दिन गांव के पास मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम मोहम्मद मोजम अली पिता इलियास अली आयु 36 साल निवासी ग्राम चकरामी वसा बरगांव थाना आलमनगर तहसील किशनगंज जिला मधेपुरा बिहार बताया। आरोपी ने पुछताछ के दौरान बताया गया कि विभिन्न स्थानो के ग्रामीण क्षेत्रो से चांदी की रकमे चमकाने के बहाने केमिकल के माध्यम से चांदी का वजन कम कर चुरा लिया जाता था एवं चांदी चमकाने के समय कुछ चांदी केमिकल में आ जाती थी, जो बाद में आरोपियों द्वारा चांदी को निकाल लिया जाता था।

इस मामले में मुकेश पिता महेन्द्र झलार निवासी- बरगांव थाना रतबारा जिला मधेपुरा बिहार फरार है। जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। पुलिस की इस कार्रवाई में निरीक्षक वरुण तिवारी थाना प्रभारी थाना नई आबादी, सउनि जगदीश ठाकुर, सउनि सुनील तोमर, प्रआर मुकेश पड्या, गगन राठौर, सुरेश शर्मा आर. रामकृष्ण नागदा, कन्हैयालाल मीणा का योगदान रहा।

रंगपंचमी पर्व के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24(1) में प्रदत्त शक्तियों के तहत मंदसौर जिले में रंगपंचमी पर्व के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था के दृष्टित 29 मार्च को रंगपंचमी पर्व के अवसर पर मंदसौर जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकाने, शॉपबार, गोदाम, मद्य भण्डारगार एवं एफ.एल-2 एवं एल.एल-3 बार, एफ. एल-2 (क)(क), एम्बी वाईन शॉप सायं 4 बजे तक बंद रहेगी। उक्त अवधि को शुष्क दिवस घोषित किया गया है।

जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन कल

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। नोडल अधिकारी(स्वीप) एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंदसौर द्वारा बताया गया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु मतदाता जागरूकता से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देशों से अवगत कराने हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला 28 मार्च को प्रात: 11.30 बजे कलेक्टर सभाकक्ष सुशासन भवन मंदसौर में आयोजित किया जाएगा।

डोडाचूरा के साथ राजस्थानी युवक गिरफ्तार

18 लाख 75 हजार का सवा क्विंटल डोडाचूरा बरामद

आचार संहिता में डोडाचूरा का भाव 2 हजार से 15 हजार रूपए किलो पहुंचा

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ़ थाना पुलिस ने मुखबीर सूचना पर एक आरोपी को पकड़कर उसके कब्जे से 18 लाख 75 हजार कीमत का 125 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया है। पुलिस द्वारा जप्त मादक पदार्थ की कीमत सुनकर तो यही प्रतित हो रहा है कि आचार संहिता में डोडाचूरा का भाव करीब 7-8 गुना अधिक हो गया है! मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मादक पदार्थ तस्करी का प्रकरण दर्ज किया है।

मल्हारगढ़ एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी ने बताया की मल्हारगढ थाने के एसआई संजय प्रताप को मुखबीर सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति डोडाचूरा की तस्करी कर हाईवे के रास्ते से निकलने वाला है। अगर जल्द नाकाबंदी की जाए तो आरोपी और मादक पदार्थ को पकडने में सफलता मिल सकती है। सूचना पर पुलिस ने महु-नीमच हाईवे रोड सूर्योदय ढाबे के पहले पुलिया के किनारे पर से आरोपी गोपाल पिता विश्राम मेघवाल उम्र 32 साल निवासी मुंदेड़ी थाना पिपलियामण्डी जिला मंदसौर को अवैध मादक पदार्थ 125 किलो डोडाचूरा के साथ पकड़ा। जिसकी कीमत 18 लाख 75 हजार रुपए आंकी जा रही है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण कर्ज किया गया है। आरोपी डोडाचूरा कहां से लेकर आया था और कहा ले जा रहा था।

मामले में पुलिस को एक मुख्य आरोपी ईश्वरलाल पिता लक्ष्मीनारायण पाटीदार निवासी मुंदेड़ी की तलाश है। जो मौका पाकर फरार हो गया है। बताया गया है कि ईश्वरलाल ही अपनी मोटर साईकिल पर तीन कट्टो में डोडाचूरा रखकर लाया था और गोपाल को वहां खड़ाकर किसी ट्रक वाले का इंतजार करने को कहा था। शायद उसने पुलिस को देख लिया होगा। इसलिए वह मौके से भाग निकला था।

दो दिन की रिमांड पर आरोपी...

पुलिस ने आरोपी गोपाल पिता विश्राम मेघवाल उम्र 32 साल निवासी मुंदेड़ी थाना पिपलिया मण्डी जिला मंदसौर को न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे 2 दिन के लिए पुलिस रिमांड पर सौपा गया। अब पुलिस आरोपी से विस्तृत पूछताछ कर रही है।

देश में सर्वाधिक शिशु मृत्यु दर मध्य प्रदेश में, फिर भी सीजेरियन प्रसव की सुविधा मात्र 120 अस्पतालों में

भोपाल, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर करने के उद्देश्य से प्रदेश में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग को एक कर दिया गया है। प्रतिवर्ष 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट है। इसके बाद भी स्थिति यह है कि प्रदेश में मात्र 120 अस्पतालों में ही सीजेरियन (आपरेशन से) प्रसव की सुविधा है। यह हाल तब है जब प्रदेश की शिशु मृत्यु दर पिछले 15 वर्ष से देश में सर्वाधिक है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) बुलेटिन के अनुसार एक हजार बच्चों में से 43 की मृत्यु जन्म से एक वर्ष के भीतर हो जाती है। 28 दिन तक के बच्चों की मृत्यु दर (एनएनएमआर) भी मप्र में सर्वाधिक है। देश की औसत दर 20 तो प्रदेश की 31 प्रति हजार है। शिशु रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ और एनेस्थीसिया के विशेषज्ञ होने पर ही सीजर डिलीवरी कराई जा सकती है। तीनों डाक्टर नहीं होने के कारण इस सुविधा का विस्तार नहीं हो पा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने मेडिकल कालेज, जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिलाकर प्रदेश के 177 अस्पतालों को इसके लिए चिह्नित किया है, पर 120 अस्पतालों में ही आपरेशन से प्रसव कराने की सुविधा है। इनमें भी कुछ अस्पतालों में डाक्टरों की कमी के चलते 24 घंटे सुविधा प्रसूताओं को नहीं मिल पा रही है। सिंगरौली में सिर्फ जिला अस्पताल में यह सुविधा है। इसी तरह से आलीराजपुर, अशोकनगर, बुरहानपुर, दतिया, डिंडौरी, उमरिया हरदा और श्योपुर में दो-दो अस्पतालों में ही सीजेरियन प्रसव हो रहा है। प्रदेश में 52 जिला अस्पताल, 161 सिविल अस्पताल और 348 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) हैं। तीनों तरह के अस्पतालों में शिशु रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ और एनेस्थीसिया विशेषज्ञ के पद होते हैं। ऐसे में इन सभी को मिलाकर 547 अस्पतालों में यह सुविधा होनी चाहिए पर लगभग 22 प्रतिशत में ही है।

किसानों को नहीं किया 30 लाख... पेज 1 से जारी

के बाद यहां रतलाम जिले के आलोट तहसील के गांव पाटन के किसान भी पहुंचे। जिनके करीब 22 लाख रुपए का भुगतान बकाया था।

फरार व्यापारी का धमकी भरा सुसाइड नोट- किसानों के साथ धोखाधड़ी के बाद फर्म संचालक अंबालाल पवार गायब हो गया, उसका मोबाइल बंद आ रहा है, उसने कार्यालय में नोट बुक में किसानों को धमकाने के लिए एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है। जिसमें उसने दो किसानों का जिक्र करते हुए सुसाइड करने की बात लिखी है। मंडी सचिव में मुताबिक व्यापारी गुजरात में अपने बेटे के पास है, एक दो दिन में लौट आने की संभावना है।

कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार गुर्जर का कल मंदसौर आगमन

श्री पशुपतिनाथजी के दर्शन करेगें, कार्यकर्ता सम्मेलन में करेगे भागीदारी, लोस चुनाव कार्यालय का होगा शुभारंभ

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। आगामी 28 मार्च को मंदसौर-नीमच-जावरा लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी एवं पूर्व विधायक श्री दिलीपसिंहजी गुर्जर का मंदसौर आगमन होगा।

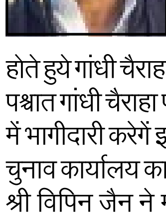

श्री गुर्जर प्रात: 11 बजे भूतभावन भगवान श्री पशुपतिनाथजी के दर्शन एवं पूजन उपरांत चुनावी अभियान का श्रीगणेश करेगे। इसके पश्चात श्री दिलीपसिंहजी गुर्जर कांग्रेसजनो के साथ श्री पशुपतिनाथ शिवना पुलिया होते हुये प्रतापगढ पुलिया, मंडी गेट, सदर बाजार, कालिदास मार्ग, नेहरू बस स्टेण्ड, कालाखेत होते हुये गांधी चैराहा पहुंचेगे। गांधी चैराहे पर श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर पर दर्शन पश्चात गांधी चैराहा पर जिला कांग्रेस कार्यालय के समक्ष विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन में भागीदारी करेगें इस दौरान श्री गुर्जर, एवं अन्य वरिष्ठ कांग्रेसजनो द्वारा लोकसभा चुनाव कार्यालय का भी शुभारंभ किया जायेगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जैन ने मंदसौर जिले के समस्त जिला कांग्रेस पदाधिकारियो मोर्चा, विभाग, प्रकोष्ठ के पदाधिकारियो, ब्लॉक कांग्रेस एवं मंडलम, सेक्टर के पदाधिकारियो, कांग्रेस जनप्रतिनिधियो, पूर्व जनप्रतिनिधियो के साथ ही आम कांग्रेसजनो से अनुरोध किया है कि अधिक से अधिक संख्या में आयोजन में भागीदारी कर कांग्रेस प्रत्याशी श्री दिलीपसिंहजी गुर्जर की आत्मीय भाव से आगवानी कर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को विजय बनाने का संकल्प ले।

मैं हूं मोदी का परिवार कार्यक्रम में सांसद गुप्ता ने कहा....

पूरा देश एक स्वर में बोल रहा मैं हूं मोदी का परिवार

मंदसौर/नीमच, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। हर किसी से अपनापन, हर किसी से सरोकार तभी तो 140 करोड़ देशवासी हैं, पीएम मोदी का परिवार। भ्रष्टाचार और राजशाही मानसिकता के गर्त में डूबे लोग समझ लें कि देश का जन-जन मोदी का परिवार है। उक्त बात सांसद सुधीर गुप्ता ने भैंसोदा, भानपुरा, गरोठ, बोलिया व खड़ावदा में आयोजित मैं हूॅ मोदी का परिवार कार्यक्रम के दौरान कही।

सांसद गुप्ता ने कहा कि देश के लिए सबकुछ न्यौछावर करने वाले ऐसे कम ही जन नेता हमारे देश ने दिए है जिनमें से एक है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना पूरा जीवन देश को समर्पित कर दिया। पहले सामाजिक संगठन, फिर गुजरात के मुख्यमंत्री और अब देश के प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा कर रहे है। पूरा देश जानता है कि बिना रूके, बिना थके वे देश सेवा में लगे है। उन्होने कहा कि मोदी ने पूरे देश वासियों को अपने परिवार का मानकार गरीब कल्याण की कई योजनाएं देश में चलाई जिसका लाभ हर क्षेत्र व हर वर्ग के नागरिकों को मिला। इसलिए पूरा देश एक स्वर में कह रहा है मैं हूॅ मोदी का परिवार। उन्होने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाए। लोकसभा चुनाव प्रभारी व पूर्व विधायक देवीलाल धाकड ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कमल ही खिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव अबकी बार चार सौ पार के आधार पर लड़ा जा रहा है और देश में जिस प्रकार से विकास कार्य हुए है उन्है जनता स्वयं ही पसंद कर रही है। उन्होने कहा कि संसदीय क्षेत्र में भी कई योजनाओं में हम प्रथम है। सिंचाई योजना, दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेस वे, मेडिकल कॉलेज, नल जल योजना, रेलवे में विकास जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर कार्य हुआा है। इन्ही विकास कार्यो पर इस बार पूर्ण बहुमत की सरकार के साथ ही 400 का आकडा पार करेगी। वहीं संसदीय क्षेत्र में भी फिर कमल ही खिलेगा। विधायक चन्दरसिंह सिसौदिया ने कहा कि चुनाव जीतने का मूल मंत्र बूथ जीतो चुनाव जीते है। इसलिए बूथ अभियान को तेज करने की आवश्यकता है। डिजिटल प्लेटफार्म का भी उपयोग किया जाए। भाजपा प्रत्याशी सांसद गुप्ता ने संसदीय क्षेत्र में जो विकास की गंगा बहाई है उससे निश्चित रूप से हर बूथ पर कमल ही खिलेगा। इसी के साथ ही भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता का गरोठ विधानसभा के पोलाडूंगर फंटे पर कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया जिसके बाद सुधीर गुप्ता ने सभी का आभार प्रकट किया। इस दौरान लोकसभा चुनाव संचालन देवीलाल धाकड, गरोठ विधायक चंदरसिंह सिसोदिया, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती मनुप्रिया यादव, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि रणजीतसिंह, जिला उपाध्यक्ष राजेश सेठिया, मंडल अध्यक्ष उमरावसिंह, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि श्यामसिंह चौहान, दिनेश पाटीदार, सीताराम चारण, मंडल प्रभारी राजेश चौधरी, मंड्ल अध्यक्ष सौदान गुर्जर, अजय तिवारी, अभिषेक मांदलिया, गोकुल सिंह चौहान, नपा अध्यक्ष श्रीमती गायत्री पौराणिक, सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

शस्त्र थाने में जमा कराएं

मंदसौर, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने आदेश जारी कर, सम्पूर्ण मंदसौर जिले में सभी लायसेंसधारियों के शस्त्र लायसेंस 06 जून 2024 तक के लिए तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिए है। लायसेंस में दर्ज शस्त्र सम्बंधित पुलिस थानों में तत्काल जमा कराना अनिवार्य होगा। यह आदेश लोकसभा निर्वाचन 2024 के कर्तव्य के लिए तैनात समस्त कार्यपालिक मजिस्ट्रेट/ पुलिस/ विशेष पुलिस अधिकारी (सी.आई. एस.एफ), बीएसएफ या सुरक्षा बलों, नगर सैनिक बल जिन्हे जिला मजिस्ट्रेट/पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्वाचन कर्तव्य के लिए नियुक्त किया गया है उन पर लागु नही होगा।

देशी कट्टे और जिंदा कारतूस के साथ एक पकड़ाया

नारायणगढ़, 26 मार्च गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने मुखबीर सूचना पर एक आरोपी को पकड़ा। तलाशी में उसके कब्जे से देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ अवैध हथियार रखने के मामले में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबीर सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना पर पुलिस ने थाना क्षेत्र के मूंदेड़ी रोड दरगाह के पास से आरोपी रोहित उर्फ निलेश बाबा उम्र 37 साल निवासी नारायणगढ को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 315 बोर का देसी कट्टा मय जिंदा राउंड बरामद किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ अवैध हथियार रखने के जुर्म में 25, 27 आर्म्स एक्ट में प्रकरण दर्ज किया है। अवैध हथियार के संबंध में आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड नं. 3. मंदसौर

मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)

दिनांक- 26.003.2024

*****जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती शीला पति स्व. बंशीलाल जी माहेश्वरी, निवासी गीता भवन रोड, मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का आवासीय मकान जो कि भूखण्ड क्रमांक ई- 13 व ई- 14 का भाग पर बना होकर श्रीनाथ विहार भाग ई, वार्ड नंबर-39, मंदसौर में स्थित है. श्रीमती शीला के पति स्व. बंशीलाल पिता बाबुलाल जी माहेश्वरी, निवासी मंदसौर ने उनके जीवन काल में उक्त मकान विधिवत रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक-3825 दिनांक 17.02.2014 को राधेश्याम पिता नन्दराम जी कुमावत, निवासी मंदसौर से क्रय किया था। श्री बंशीलाल माहेश्वरी का दिनांक 28.09.2019 को स्वर्गवास हो चुका है, जिनके वारिस व उत्तराधिकारी उनकी पत्नी श्रीमती शीला माहेश्वरी का नगर पालिका परिषद मंदसौर में दिनांक 11.01 2024 से नामांतरण स्वीकृत हो चुका है, उक्त मकान व पैमाईश की चर्तुसीमा निम्नवत है-

चर्तुसीमा-पूर्व में-भूखण्ड क्रमांक-ई- 13 व ई- 14 का भाग मकान दिवाल शराकती, पश्चिम में-कॉलोनी सडक, उत्तर में-कालोनी सड़क, दक्षिण में-अन्य का भूखण्ड, पैमाईश-पूर्व से पश्चिम 20 फीट तथा उत्तर से दक्षिण 40 फीट है। कुल क्षेत्रफल-800 वर्गफीट या 74.32 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर श्रीमती शीला पति स्व. बंशीलाल जी माहेश्वरी द्वारा एच डी बी फायनेशियल सर्विसेस लिमिटेड मंदसौर से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझआदि उक्त संपत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 3 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

दिनांक 26.03.2024 मंदसौर — भवदीय

दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडि्या एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in